सुविचार

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।

“ तुलसीदास ”

दैनिक रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष - 09 ■ अंक - 257 ■ मंडला, शनिवार 20 दिसम्बर 2025 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2082 शक 1935 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

बांग्लादेश में 2 न्यूज चैनल्स, अवामी लीग के ऑफिस फूंके

शेख हसीना विरोधी नेता की मौत के बाद हिंसा, हिंदू युवक को जलाया

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी की मौत के बाद हिंसा भड़क गई है। प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार देर रात देश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और प्रोथोम आलो के ऑफिस में जबरन घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के आवास में भी तोड़फोड़ की गई है और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के ऑफिस को भी जला दिया गया है। उस्मान हादी शेख हसीना के खिलाफ जुलाई 2024 में हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उन्हें 12 दिसंबर को चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मारी गई थी। इसके बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए सिंगापुर ले जाया गया था। 6 दिन बाद उनकी मौत हो गई। **हिंदू युवक की मॉब लिंचिंग, शव को पेड़ पर लटकाकर जलाया :** बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में धर्म का अपमान करने के आरोप में एक हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला। इसके बाद उसके शव को नग्न करके एक पेड़ से लटका कर आग लगा दी। पुलिस ने मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में की है पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार रात भालुका में हुई।

राजस्थान-मप्र के 5 शहरों में तापमान 4 डिग्री से.

यूपी के 8 जिलों के स्कूल बंद; बिहार में घना कोहरा, 4 सड़क हादसों में 7 मौतें

नई दिल्ली। देश के आधे से ज्यादा राज्य इस समय कड़ाके की सर्दी के साथ भीषण कोहरे की चपेट में हैं। राजस्थान और मध्य प्रदेश के 4 शहरों में गुरुवार-शुक्रवार की रात न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। टढ का शिवपुरी 4 डिग्री और इंदौर में 4.1 डिग्री तापमानके साथ सबसे ठंडा रहा। राजस्थान के फतेहपुर और नागौर में तापमान 4.3 और 4.4 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से राजस्थान में अगले कुछ दिनों तक हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। इससे सर्दी से थोड़ी राहत मिल सकती है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार में शुक्रवार को घने कोहरे का असर सबसे ज्यादा रहा। मौसम विभाग ने पांचों राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। दिल्ली में कोहरे के कारण 150 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो गईं। यूपी के 40 जिलों में घना कोहरा रहा। बरेली, कानपुर, कासगंज समेत 8 जिलों में 20 दिसंबर तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। लखनऊ समेत 10 जिलों में स्कूलों की टाइमिंग सुबह 9 बजे से कर दी गई है। राज्य में अगले तीन दिन भयंकर सर्दी की आशंका है। वहीं बिहार में शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक किसी जिले में सूरज नहीं निकला। घने कोहरे के कारण बीते 24 घंटे में 4 जिलों में 7 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। पटना में स्कूलों की टाइमिंग सुबह 9 बजे से की गई है। सारण में क्लास 1 से 10वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

दिल्ली में लगातार छठे दिन हवा जहरीली, AQI 387 :धुंध-कोहरे के कारण 152 फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली। शुक्रवार को लगातार छठे दिन हवा बेहद खराब रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (उढउइ) के अनुसार, सुबह करीब 8 बजे दिल्ली में एयर क्वालिटी (AQI) 387 दर्ज किया गया। शहर में हवा की गुणवत्ता गुरुवार की तुलना में और भी बिगड़ गई है। कल शाम 4 बजे शहर का अदक373 था। प्रदूषण के साथ शहर के ज्यादातर हिस्से जहरीले धुंध (स्मॉग) की चपेट में हैं। आईटीओ, गाजीपुर, पालम और ग्रेटर नोएडा के आसपास के इलाके भी धुंध की मोटी परत से घिरे रहे। दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर आज दिन भर के लिए 152 फ्लाइट्स कैंसिल हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, कैंसिल होने वाली फ्लाइट्स में 79 दिल्ली से जाने और 73 आने वाली फ्लाइट्स हैं। इनमें 4 इंटरनेशनल फ्लाइट्स भी शामिल हैं। कई उड़ानें घंटों देरी से चल रही हैं। एअर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी कई एयरलाइनों ने उड़ानें प्रभावित होने की आशंका को लेकर यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इससे पहले गुरुवार को धुंध के कारण एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम रह गई। इसके चलते 27 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

प्रधानमंत्री मोदी का एक्स पर जलवा

30 दिन के टॉप 10 ट्वीट्स में 8 पर पीएम की बादशाहत

नई दिल्ली। पिछले 30 दिनों में भारत में सबसे ज्यादा पसंद किए गए दस ट्वीट्स में से आठ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हैं, जिनका प्रभाव (पूर्व में ट्विटर) पर छाया हुआ है। के नए मोस्ट लाइक्ड फीचर के अनुसार, देश के शीर्ष दस सबसे ज्यादा पसंद किए गए ट्वीट्स में किसी अन्य राजनेता का नाम नहीं है। इनमें से, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी भारत यात्रा के दौरान हिंदू धर्मग्रंथ भगवद गीता की एक प्रति भेंट करने वाले पोस्ट को सबसे अधिक लोकप्रियता मिली, जिसे 67 लाख लोगों ने देखा और 231 हजार लाइक्स प्राप्त किए। इस पोस्ट में प्रधानमंत्री ने लिखा कि राष्ट्रपति पुतिन को रूसी भाषा में गीता की एक प्रति भेंट की। गीता की शिक्षाएं दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरणा देती हैं। एक अन्य पोस्ट, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन का दिल्ली में स्वागत किया, उसे भी काफी लोकप्रियता मिली, जिसे 16 लाख उपयोगकताओं ने देखा और 214 हजार लाइक्स प्राप्त किए। इस पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, "अपने मित्र राष्ट्रपति पुतिन का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। आज शाम और कल हमारी बातचीत का इंतजार रहेगा। भारत-रूस की दोस्ती एक ऐसी सिद्ध मित्रता है जिससे हमारे लोगों को बहुत लाभ हुआ है।"

इसके अलावा, राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर पीएम मोदी की पोस्ट और नेत्रहीन महिला क्रिकेट टीम को दिए गए उनके बधाई संदेश को भी काफी ध्यान मिला, जिन्हें क्रमशः 140,000 और 147,000 लाइक मिले। ये पोस्ट क्रमशः 31 लाख और 55 लाख उपयोगकताओं तक पहुंचीं, जो इनकी व्यापक सहभागिता को दशार्ती हैं। ध्वजारोहण समारोह

पर पीएम मोदी ने लिखा, "श्री राम जन्मभूमि मंदिर में धर्म ध्वजारोहण उत्सव देखना भारत और दुनिया भर के करोड़ों लोगों का इंतजार था। अयोध्या में इतिहास रचा गया है और यह हमें प्रभु श्री राम द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने के लिए और भी प्रेरित करता है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने नेत्रहीन महिला टी20 विश्व कप में भारत की जीत पर कहा कि भारतीय नेत्रहीन महिला क्रिकेट टीम को पहले नेत्रहीन महिला टी20 विश्व कप में जीत हासिल करके इतिहास रचने के लिए हार्दिक बधाई! इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे श्रृंखला में अपराजित रहीं।

राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली। वीबी-जी राम जी विधेयक पारित होने के विरोध में विपक्ष के प्रदर्शनों के बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को सदन में वंदे मातरम बजाए जाने के बाद सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो कल तीन देशों की यात्रा से लौटे थे, आज सदन में उपस्थित थे। राज्यसभा के सभापति उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने आज सुबह 11 बजे सदन के पुनः शुरू होने के कुछ ही समय बाद सदन को स्थगित कर दिया। स्थगन से पहले सदन के पटल पर बयान और रिपोर्टें रखी गईं। इस बीच, विपक्ष ने रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (श्इ-ॠफ्अट ॠ) विधेयक के पारित होने के खिलाफ अपना मुखर विरोध जारी रखा।

शुक्रवार को, एकजुट विपक्ष ने संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जबकि तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने सदन के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर अपना प्रदर्शन जारी रखा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जो इस समय जर्मनी में हैं, ने विधेयक की आलोचना में शामिल होते हुए इसे जानबूझकर राष्ट्र-विरोधी और ग्राम-विरोधी बताया।

राज्यसभा

राज्यसभा का 269वां सत्र शुक्रवार को भारत के उपराष्ट्रपति और सभापति के विदाई भाषण के साथ समाप्त हुआ। राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने शीतकालीन सत्र की उत्पादकता और रचनात्मक बहसों पर प्रकाश डाला। सदन को संबोधित करते हुए सभापति ने कहा कि यह सत्र विशेष महत्व रखता है क्योंकि पदभार ग्रहण करने के बाद यह पहली बार था जब उन्होंने सदन की अध्यक्षता की। उन्होंने प्रधानमंत्री, मंत्रियों, जे.पी. नड्डा, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और सभी सदस्यों को बधाई देने के लिए आभार व्यक्त किया और उनके प्रोत्साहन को प्रेरणा का स्रोत बताया। सभापति ने कहा कि सदस्यों ने अध्यक्ष के साथ पूर्ण सहयोग किया।

लोकसभा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं। उन्होंने अपने संक्षिप्त उल्लेख में कहा, कि आप सभी के सहयोग से इस सत्र में सभा की कार्य उत्पादकता लगभग 111 प्रतिशत रही। इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उपस्थित थे। अठारहवीं लोकसभा के छठे सत्र में सदन ने आठ सरकारी विधेयकों को मंजूरी दी। इनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेने के लिए लाया गया ह्यविकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025ह्ण शामिल है जिसे लेकर विपक्ष ने भारी विरोध दर्ज कराया।

राम मुसलमान थे? टीएमसी विधायक के बयान से मचा बवाल

बीजेपी बोली- हिंदू धर्म का घोर अपमान

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक मदन मित्रा के भाषण का एक वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस वीडियो में उन्होंने दावा किया है कि भगवान राम मुसलमान थे। भाजपा ने इस

पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे हिंदू धर्म का अपमान बताया है। बंगाली में दिए गए अपने भाषण में मित्रा ने एक हिंदू श्लोक का पाठ किया और फिर भाजपा द्वारा हिंदू धर्म की व्याख्या पर हमला किया। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी का उद्देश्य हिंदू धर्म को निशाना बनाना नहीं था, बल्कि भाजपा नेतृत्व की हिंदू धर्म की समझ पर सवाल उठाना था। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने मित्रा की टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि टीएमसी विधायक मदन मित्रा का यह घिनौना दावा कि ह्यप्रभु श्री राम मुसलमान थे, हिंदू नहींह्ण हिंदू धर्म का जानबूझकर अपमान है। टीएमसी का यही हाल हो गया है: हिंदू आस्था पर रोजाना हमले करना। एक कथित व्यक्तिगत घटना का जिक्र करते हुए, कमरहटी विधायक ने बताया कि उन्होंने एक बार दिल्ली में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता को चुनौती दी थी कि वे साबित करें कि भगवान राम हिंदू थे।

सीट बंटवारे को लेकर फंस गया महायुति में बड़ा पेंच

शिंदे ने 2017 वाले फार्मूले को लागू करने की कर दी डिमांड

मुम्बई। महाराष्ट्र में आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीट बंटवारे की बातचीत में एक बड़ा झटका लगा है। सूत्रों के अनुसार, दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच हुई बैठक में शिंदे सेना ने 2017 के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के परिणामों का हवाला देते हुए उन सभी 84 सीटों की मांग की, जो उस समय अविभाजित शिवसेना ने जीती थीं। हालांकि, भाजपा ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया। भाजपा का तर्क है कि 2017 की राजनीतिक परिस्थितियों और वर्तमान स्थिति में काफी अंतर है। भगवा पार्टी ने कहा कि शिंदे सेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच सीधा मुकाबला महायुति गठबंधन को नुकसान पहुंचा सकता है।

सीट बंटवारे का आधार 'जीत की संभावना' होगी : भाजपा ने कहा कि शिंदे सेना को केवल वही सीटें आवंटित की जाएंगी जहां उसकी सबसे मजबूत उपस्थिति है और सीट बंटवारा 'जीत की संभावना' के फामूर्ले के आधार पर तय किया जाएगा। बीएमसी की कुल 227 सीटों में से 77 सीटों पर दोनों पार्टियों के बीच विवाद है। उम्मीद है कि दोनों पक्षों के वरिष्ठ नेता अगले दो दिनों में गतिरोध को सुलझाने के प्रयास करेंगे।

राज्य चुनाव आयोग ने मतदान कार्यक्रम की घोषणा की : महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने 15 दिसंबर को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव 15 जनवरी, 2026 को एक ही चरण में होंगे और परिणाम 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे।

मुंबई भाजपा अध्यक्ष ने गठित समिति : मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित सतम ने बीएमसी चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु 20 सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति के अध्यक्ष अमित सतम के अलावा केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नरवेकर, कई राज्य मंत्रिमंडल मंत्रियों और विधायकों को समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

बीजापुर में 5 लाख का इनामी माओवादी ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली को मार गिराया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में 5 लाख रुपये का इनाम वाला एक नक्सली मारा गया। उन्होंने बताया कि भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन इलाके में आडवाड़ा-कोटमेटा के जंगल में आज सुबह गोलीबारी हुई, जब डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड की एक टीम इलाके में माओवादी कैडरों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने बताया कि गोलीबारी खत्म होने के बाद मुठभेड़ वाली जगह से एक नक्सली का शव, एक .303 राइफल, एक 9टट पिस्टल और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। **पांच लाख रुपये का इनाम था नक्सली :** उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की पहचान एरिया कमेटी सदस्य फगनू माड़वी (35) के रूप में हुई है जिस पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि 2025 में सुरक्षा बलों की प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप बस्तर में माओवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने कहा कि माओवादी संगठन का पूरा तंत्र बिखर चुका है और हिंसा या दहशत फैलाने के उनके किसी भी प्रयास का अब कोई असर नहीं रह गया है।

रतले परियोजना में 29 कर्मचारियों के आतंकी संपर्क निकले

राष्ट्रीय महत्व की परियोजना की सुरक्षा से हो रहा था खिलवाड़

नई दिल्ली। रणनीतिक महत्व की परियोजनाएँ अपने आप में ही उच्च जोखिम पर होती हैं। वह दुश्मन देशों की नजर में रहती हैं, आतंकी संगठनों के निशाने पर होती हैं और इसलिए उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता मानी जाती है। लेकिन हालात तब और खतरनाक हो जाते हैं, जब इन परियोजनाओं को बाहर से नहीं, बल्कि भीतर से ही खतरा पैदा होने लगे। सवाल तब उठता है कि अगर किसी राष्ट्रीय महत्व की परियोजना में वही लोग काम कर रहे हों, जिनके तार आतंकी गतिविधियों या आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े हों। देखा जाये तो यह सिर्फ प्रशासनिक चूक या परियोजना निर्माण में लगी कंपनी की साधारण चूक नहीं बल्कि सीधे-सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है? हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को लिखे गए पत्र ने ठीक इसी डरावनी हकीकत को उजागर किया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 1 नवंबर को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) को एक गंभीर पत्र लिखकर आगाह किया था कि किश्तवाड़ के द्राबशल्ला क्षेत्र में निमार्णाधीन 850 मेगावाट की रतले जलविद्युत परियोजना में काम कर रहे 29 कर्मचारियों के कथित तौर पर आतंकी संबंध हैं या उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि है। यह पत्र किश्तवाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नरेश सिंह की ओर से एमईआईएल के जनरल मैनेजर को लिखा गया था। इसमें कहा गया था कि परियोजना में कार्यरत स्थानीय कर्मचारियों का नियमित पुलिस सत्यापन किया गया, जिसमें 29 लोग ह्नविध्वंसक/राष्ट्रविरोधी गतिविधियोंह्ण में संलिप्त पाए गए। एसएसपी ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी थी कि ऐसे लोगों को परियोजना में रखने से उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है, क्योंकि इनके आतंकी संपर्क या आपराधिक रिकॉर्ड हैं।

पुतिन बोले- यूक्रेन नाटो में शामिल होने की जिद छोड़े

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शुक्रवार दोपहर सालाना ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू हो गई है। यह पुतिन का 22वां सालाना संवाद है। इस दौरान वह आम लोगों और मीडिया के सवालों के जवाब दे रहे हैं। साथ ही साल 2025 में सरकार के कामकाज और देश से जुड़े बड़े मुद्दों पर अपनी बात रख रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत में पुतिन ने यूक्रेन युद्ध पर अपनी पुरानी दलीलें दोहराईं। उन्होंने कहा कि रूस शांति के रास्ते से युद्ध खत्म करने को तैयार है, लेकिन यूक्रेन को नाटो में शामिल होने की जिद छोड़नी होगी। वहीं, यूरोपीय संघ के रूस की संपत्ति जब्त करने के सवाल पर पुतिन ने कहा कि यूरोपीय संघ चोरी नहीं, डकैती कर रहा है। चोरी तो छिपकर होती है, ये सब खुल्लेआम हो रहा है, लेकिन रूस अपनी संपत्ति वापस लेकर रहेगा। पुतिन की सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस हर साल आयोजित होती है।

जबलपुर में धार्मिक इदारों को लेकर लगातार उभरते विवाद, विचारधारा और इंतजाम पर सवाल

इमाम की गैरहाज़िरी, कमेटियों की सियासत नमाजगाह में झगड़ा, प्रशासन ने लगाया ताला

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गोहलपुर थाना इलाके के अंसार नगर चौपड़ा की नमाजगाह में जुम्मे की नमाज से पहले जो वाकि या पेश आया, वह महज एक इमाम की गैरहाज़िरी का मामला नहीं था। यह उस बेचैनी और इख़्तिलाफ की झलक थी, जो अरसे से धार्मिक इदारों के अंदर दबे पांव पल रहा है। तय इमाम के मौजूद न होने पर दूसरे मौलाना ने नमाज पढ़ा दी... और यहीं से सवाल, शक और एतराज शुरू हो गए।

मस्जिद के अंदर उठा यह इख़्तिलाफ चंद ही लम्हों में दो कमेटियों के टकराव में तब्दील हो गया। हालात ऐसे बने कि नमाज़ियों के साथ-साथ आसपास के रहवासी भी जमा हो गए और पूरे इलाके में गर्मागर्मी की फि जा बन गई। अमन-ओ-अमान कायम रखने के लिए तीन थानों का पुलिस बल तैनात करना पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों के बयान एक गहरी उलझन की तरफ इशारा करते हैं। मस्जिद के नियमित इमाम मौलाना रियाज अहमद की तबीयत नासाज थी, लिहाजा कमेटी ने वैकल्पिक इंतजाम किया। लेकिन इसी इंतजाम पर सवाल उठे। कुछ लोगों ने एतराज जताया कि दूसरे मौलाना को इस मस्जिद में नमाज पढ़ाने की इजाजत नहीं है। बात यहीं नहीं रुकी। इल्जाम लगाए गए कि वह किसी खास विचारधारा से ताल्लुक रखते हैं। वहाबी सोच का ठप्पा लगाया गया और देखते ही देखते बहस तल्ख होती चली गई। चंद लफ़्जों की तकरार हाथापाई में बदल गई और इबादतगाह सियासी और वैचारिक खींचतान का मैदान बन गई। हालात बिगड़ते देख इंतजामिया हरकत में आई। एसडीएम पंकज मिश्रा मौके पर पहुंचे और

दोनों फरीकों को समझाने की कोशिश की। मगर जब बात संभलती नजर नहीं आई तो एहतियातन मस्जिद के गेटों पर ताला लगवाकर प्रशासनिक सील कर दी गई। एसडीएम का कहना है कि यह कदम सिर्फ. शांति और अमन बनाए रखने के लिए उठाया गया है। दोनों पक्षों को थाने बुलाकर बातचीत के जरिए हल निकालने की कोशिश जारी है और रजामंदी बनते ही मस्जिद खोल दी जाएगी। लेकिन इस पूरे वाकि ये के बीच एक अहम सवाल बार-बार सामने आता है। क्या यह सिर्फ. एक दिन का झगड़ा है? या फिर जबलपुर में मुस्लिम समुदाय के भीतर धार्मिक इदारों को लेकर उभरते लगातार इख़्तिलाफ की कड़ी है? बीते कुछ वक़्त से ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहाँ या तो

भ्रष्टाचार के इल्जाम हैं या फिर विचारधाराओं का टकराव। अफसोस यह है कि एक ही समुदाय के लोग एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े नजर आते हैं। शासन और प्रशासन के लिए यह सिर्फ. कानून-व्यवस्था का मसला नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इन विवादों की जड़ को समझा जाए... कहीं यह ताकत और कब्जे की लड़ाई तो नहीं, कहीं चंदे और इंतजाम का सवाल तो नहीं, या फिर फि क्री टकराव? अगर वक़्त रहते इन सवालों के जवाब नहीं ढूंढे गए, तो इबादतगाहों पर ताले लगते रहेंगे और एक ही समुदाय के भीतर इख़्तिलाफ और गहरे होते चले जाएंगे।

गृह पीएस व डीजीपी सहित अन्य को नोटिस

एएसपी गुरुदत्त शर्मा के तबादले मामले में जवाब तलब

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरुदत्त शर्मा ने सिवनी से भोपाल मुख्यालय किये गये स्थानातंरण को अपील के माध्यम से चुनौती दी है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए गृह विभाग के प्रमुख सचिव, डीजीपी व एएसपी दीपक मिश्रा को नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई सात जनवरी को निर्धारित की है। यह अपील एएसपी गुरुदत्त शर्मा की ओर से दायर की गई है। जिनकी ओर से अधिवक्ता निखिल तिवारी ने पक्ष रखा। जिसमें कहा गया कि आवेदक का स्थानातंरण चंबल क्षेत्र से हालही में सिवनी किया गया था। वहीं सिवनी में पदस्थ एसडीओपी दीपक मिश्रा को पदोन्नत कर भोपाल मुख्यालय एएसपी नियुक्त किया गया था। आवेदक की ओर से कहा गया कि इसके बाद उनका स्थानातंरण भोपाल मुख्यालय कर दिया गया और उनके स्थान पर सिवनी में पुन: दीपक मिश्रा को एएसपी के पद पर पदस्थ कर दिया गया। जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन उक्त मामले में उन्हें राहत नहीं मिली, जिस पर यह अपील दायर की गई। आवेदक की ओर से सर्वोच्च न्यायालय के प्रकाश सिंह के मामले का हवाला देते हुए कहा गया कि आवेदक का स्थानातंरण पुलिस स्टेबलिसमेंट बोर्ड की अनुमति व अनुशंसा पर नहीं किया गया, जब वह जरूरी है। डीएसपी के ऊपर के अधिकारियों के स्थानातंरण बोर्ड ही कर सकता है। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

मुख्य न्यायाधीश को वकीलों के हित में सौंपा पत्र

हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जबलपुर के सचिव अधिवक्ता निखिल तिवारी ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह के माध्यम से एक पत्र भेजा है। इसके जरिए अधिवक्ताओं की परेशानी से अवगत कराया गया है। पत्र में शनिवार को विशेष कार्यदिवस बनाने के विरोध किया गया है। इस सिलसिले में फुल कोर्ट मीटिंग में विचार करने पर बल दिया गया है। अवगत कराया गया है कि वकीलों की मांग पर आपात बैठक आहूत की गई थी, जिसमें निवेदन किया गया कि विशेष कार्यदिवस का विरोध किया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि कार्य दिवस बनाने से वकीलों पर अनावश्यक बोझ पड़ेगा और इससे बार के कामकाज पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में सैकड़ों ने किया ध्यान

पुलिस परेड ग्राउंड में 3 दिवसीय हार्टफुलनेस मेडिटेशन शिविर का शुभारंभ

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर शुक्रवार से पुलिस परेड ग्राउंड, जबलपुर में तीन दिवसीय हार्टफुलनेस मेडिटेशन शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) की उपस्थिति में हुआ। हार्टफुलनेस संस्था के सहयोग से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, तनाव कम करना और कार्यकुशलता में वृद्धि करना है। शिविर के पहले दिन ध्यान सत्र हार्टफुलनेस संस्था जबलपुर के प्रमाणित प्रशिक्षक श्री सुरेंद्र विश्वकर्मा (6वीं वाहिनी, जबलपुर) द्वारा कराया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध श्री जितेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 सुश्री पल्लवी शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री सूर्यकांत शर्मा सहित समस्त सीएसपी, एसडीओपी, थाना प्रभारी और रक्षित निरीक्षक श्री जयप्रकाश आर्य मौजूद रहे। शिविर में लगभग 190 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के साथ पुलिस लाइन आवासीय परिसर के करीब 80 युवक-युवतियों ने भी ध्यान अभ्यास में भाग लिया। पुलिस अधीक्षक श्री सम्पत उपाध्याय ने हार्टफुलनेस मेडिटेशन को मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाला बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम पुलिसकर्मियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने बताया कि यह ध्यान शिविर आगामी दो दिनों तक नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक अधिकारी और कर्मचारी इसका लाभ ले सकें।

कुलगुरु-कुलसचिव ने छात्रों संग चखा स्वाद, 20 हजार से अधिक की बिक्री

रादुविवि में फूड फेस्ट बना आत्मनिर्भरता का मंच

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान द्वारा आयोजित ह्वव्यंजन मेलाझ्रफूड फेस्टह्व न केवल स्वाद का उत्सव बना, बल्कि छात्रझ्रछात्राओं के लिए उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और प्रबंधन कौशल सीखने का सशक्त मंच भी सिद्ध हुआ। मेले में विद्यार्थियों ने अपनी पाक कला का प्रदर्शन करते हुए 20 हजार रुपये से अधिक की बिक्री कर उत्साह और आत्मविश्वास का परिचय दिया। मेले का उद्घाटन एवं भ्रमण करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा एवं कुलसचिव डॉ. आर.के. बघेल ने छात्र-छात्राओं द्वारा लगाए गए स्टालों पर स्वयं जाकर हेल्दी एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद

लिया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कुलगुरु बोले– स्किल ट्रेनिंग से बनेगा रोजगार का मार्ग– कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वोकेशनल एवं स्किल आधारित प्रशिक्षण छात्रों को आत्मनिर्भर और स्वरोजगार की ओर ले जा रहा है। फूड फेस्ट जैसे आयोजन विद्यार्थियों को व्यवसायिक अनुभव प्रदान करते हैं, जिससे वे भविष्य में सफल उद्यमी बन सकें।

कुलसचिव ने की संस्थान की सराहना– कुलसचिव डॉ. आर.के. बघेल ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि कौशल विकास संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे जीवंत एवं सक्रिय संस्थान है, जहां विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान के साथ अवसर भी दिए जा रहे हैं।

पहली बार विश्वविद्यालय स्तर पर हुआ आयोजन– संस्थान के निदेशक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर पहली बार किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

12 से अधिक स्टाल, रैंक व सर्टिफिकेट से मिलेगा प्रोत्साहन– कार्यक्रम प्रभारी डॉ. अजय मिश्रा ने बताया कि 12 से अधिक निःशुल्क स्टाल लगाए गए, जहां विद्यार्थियों ने विभिन्न व्यंजनों की बिक्री की। बिक्री के आधार पर प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट एवं रैंक प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाएगा।

ये रहा मेले का जायका

डॉ. मीनल दुबे एवं सुश्री रविता सिंह ने बताया कि मेले में चाय, मैगी, पानीपुरी, साबूदाना वड़ा, चना जोर गरम, कुरकुरी व कटोरी चाट, भेलपुरी, समोसा चाट, सैंडविच, हेल्दी स्प्राउट्स, फ्रूट सलाद, हॉट चॉकलेट, चॉकलेट स्नैक्स सहित 12 स्टालों पर विविध व्यंजन उपलब्ध रहे, जिन्हें बड़ी संख्या में छात्रों व स्टाफ ने पसंद किया।

जल्द होगा बृहद स्तर पर आयोजन– मेले की सफलता को देखते हुए भविष्य में इसे और बड़े स्तर पर आयोजित करने की योजना भी संस्थान द्वारा बनाई जा रही है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारी, अतिथि विद्वान, कर्मचारी एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिससे पूरा परिसर उत्सवमय नजर आया।

मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान को नशा व अनैतिक गतिविधियों से मुक्त कराने युवाओं की पहल, बनी कब्रिस्तान एक्शन कमेटी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मंडी मदार टेकरी स्थित एशिया के सबसे बड़े कब्रिस्तान की बिगड़ती हालत और वहां बढ़ती नशाखोरी व अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ आखिरकार समाज के जागरूक युवाओं ने मोर्चा खोल दिया है। वर्षों से उपेक्षा का शिकार रहे कब्रिस्तान को उसकी गरिमा लौटाने के उद्देश्य से ह्यकब्रिस्तान एक्शन कमेटीह्व का गठन किया गया है, जिसने शुरूआती दौर में ही ठोस और साहसिक कदम उठाकर अपनी मंशा साफ कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पूर्व और नई दोनों कमेटियों के कार्यकाल के दौरान कब्रिस्तान की सफाई, निगरानी और अनुशासन को लेकर कोई प्रभावी पहल नहीं हो सकी। नतीजतन यह पवित्र स्थल धीरे-धीरे नशेड़ियों, शराबियों और असामाजिक तत्वों का अड्डा बनता चला गया। लगातार मिल रही शिकायतों और समाज में बढ़ते असंतोष के बावजूद हालात जस के तस बने रहे।

धमकियों के बावजूद नहीं डिगे युवा

इन्हीं हालातों से व्यथित होकर बनी कब्रिस्तान एक्शन कमेटी ने मौके पर उतरकर नशाखोरी, शराबखोरी और अनैतिक गतिविधियों में लिप्त लोगों को कब्रिस्तान से बाहर किया। कमेटी के सदस्यों को इस दौरान गालियों और धमकियों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन युवाओं का हौसला डगमगाया नहीं। उनका साफ कहना है कि कब्रिस्तान किसी की निजी जागीर नहीं, बल्कि पूरी उम्मते मुसलमान की अमानत है और इसकी

हिफाजत सामूहिक जिम्मेदारी है।

हर मुसलमान इस कमेटी का हिस्सा– कमेटी ने स्पष्ट किया है कि यह न किसी व्यक्ति विशेष की है, न किसी जाति या समूह की, बल्कि इसमें हर मुसलमान बराबर का सदस्य है। उद्देश्य केवल एक है—कब्रिस्तान को साफ, सुरक्षित और नशा मुक्त रखना, ताकि यह इबादत और सुकून की जगह बना रहे।

इन युवाओं ने उठाई जिम्मेदारी

इस नेक पहल में आगे आकर जिम्मेदारी संभालने वाले युवाओं में मोहम्मद वसीम अंसारी, मोहम्मद शफीक, राजा कुरैशी, शाम, मोहम्मद ताज, मोहम्मद छोटू सौरभ, मोहम्मद शोएब अंसारी, मोहम्मद अज्जू शाह, सिराज अंसारी, शबाज शाह, नईम अंसारी, दानिश अंसारी, आसिफ काला, छोटू अमीर और अमीनुद्दीन अंसारी शामिल हैं। समाज इन्हें सिर्फ नाम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल मान रहा है।

उम्मीदों की नई किरण

हर बैठक में नए युवाओं का जुड़ना इस बात का संकेत है कि समाज अब चुप नहीं बैठना चाहता। कमेटी को पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान न केवल एशिया का सबसे बड़ा, बल्कि सबसे साफ, सुरक्षित और आदर्श कब्रिस्तान के रूप में पहचाना जाएगा। समाज के प्रबुद्धजनों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा है कि यदि ऐसे प्रयास समय रहते न होते, तो आने वाली पीढ़ियों को हमारी खामोशी का खामियाजा भुगतना पड़ता। अब यह जिम्मेदारी हम सबकी है कि इस अभियान को मजबूती दें और कब्रिस्तान की गरिमा को बनाए रखने में अपना योगदान दें।

कटनी कलेक्टर सहित अन्य से मांगा जवाब

कब्रिस्तान की जमीन से बेदखली पर यथास्थिति के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कटनी के स्लीमनाबाद में कब्रिस्तान की जमीन से बेदखल करने के आदेश पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने कलेक्टर, एसडीओं, तहसीलदार स्लीमनाबाद और थाना प्रभारी स्लीमनाबाद को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। यह जनहित का मामना कटनी निवासी निसार बेग व अन्य की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एनएस रूपराह व राहुल चौधरी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि स्लीमनाबाद में मुस्लिम समुदाय द्वारा पिछले दो सौ सालों से खसरा नंबर 54 के अंश भाग (करीब 3 एकड़) का इस्तेमाल कब्रिस्तान के रूप में कर रहे हैं। राजस्व विभाग ने उक्त जमीन का परिसीमन कराया है और बेदखल कर रहे हैं। दलील दी गई कि उक्त जमीन में एक हजार से अधिक कब्रें बनी हैं। चूंकि इस जमीन का इस्तेमाल इतने लंबे समय से हो रहा है, इसलिए इस तरीके से बेदखल नहीं किया जा सकता। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

ढाई लाख के करीब जेवरात बरामद

सूने मकान की नकबजनी का खुलासा, दो शातिर चोर गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले दो शातिर नकबजनों को थाना अधारताल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया सोने का एक लॉकेट, चार गुरिया, चांदी के 21 सिक्के, एक करधन, दो जोड़ी पायल और दो चूड़ियां बरामद की हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 2 लाख 20 हजार रुपये बताई गई है। इस मामले में अपराध क्रमांक 1155/25 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में अभिषेक चक्रवर्ती (19) निवासी दुर्गा चौक बाबाटोला थाना हनुमानताल और प्रिंस उर्फ आशिक चौधरी (18) निवासी विलियम के घर के पास हनुमानताल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार 23 नवंबर 2025 को झंडा चौक जयप्रकाश नगर निवासी सुधीर कुमार सेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके बड़े भाई सतीश कुमार सेन परिवार सहित नागपुर गए हुए थे। इस दौरान अज्ञात चोरों ने सिद्धीविनायक कॉलोनी महाराजपुर स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अलमारियों में रखे जेवरात चोरी कर लिए। मामले की जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली, जिसके आधार पर अधारताल सब्जी मार्केट कंचनपुर से दोनों संदिग्धों को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार किया और बताया कि उन्होंने चोरी का माल आपस में बांटकर अपने-अपने घरों में छिपा रखा है। आरोपियों की निशानदेही पर उनके घरों से चोरी गया पूरा मशरूका बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं, जिनके खिलाफ पहले से कई अपराध दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध श्री जितेन्द्र सिंह व नगर पुलिस अधीक्षक अधारताल सुश्री राजेश्वरी कौरव के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी अधारताल श्री प्रवीण कुमार कुमरे के नेतृत्व में पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

नए साल 2026 में बदलेगी ट्रेनों की टाइमिंग

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नए साल 2026 की शुरूआत के साथ ही पश्चिम-मध्य रेलवे ने कई ट्रेनों की समय-सारणी में बदलाव कर दिया है। पश्चिम-मध्य रेलवे से शुरू होने वाली और यहीं टर्मिनेट होने वाली ट्रेनों के प्रस्थान व आगमन समय में 10 मिनट से लेकर 1 घंटे तक का अंतर किया गया है। यह संशोधित समय-सारणी 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। पश्चिम-मध्य रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले नई समय-सारणी की जानकारी जरूर प्राप्त कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। यात्री संबंधित स्टेशन, रेलवे पूछताछ केंद्र या पश्चिम-मध्य रेलवे की अधिकृत वेबसाइट से 1 जनवरी 2026 से लागू नई समय-सारणी की जानकारी लेकर ही यात्रा करें। 51705 जबलपुर-नैनपुर पैसेंजर, जबलपुर से 10:15 बजे की बजाय 9:55 बजे प्रस्थान करेगी। 11651 जबलपुर-सिंगरौली इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों का समय परिवर्तित किया गया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पूर्व नाम काशिश था, जिस नाम से मैंने बीमा पॉलिसी ली थी। वर्तमान में मेरा नाम मोनिका चक्रवर्ती हो गया है। यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वह प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर निम्न पते पर संपर्क कर सकता/सकती है। निर्धारित अवधि के पश्चात कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर नाम परिवर्तन को अंतिम एवं मान्य माना जाएगा।
पता: न्यू शास्त्री नगर, तिलवारा रोड, बड़ा पत्थरपास, राजा राम मूर्ति कार के पास, जबलपुर, मध्य प्रदेश, 482003

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं चंद्रवती विश्वकर्मा, पति श्री चंद्रभान विश्वकर्मा, उम्र लगभग 49 वर्ष, निवासी पता – 2783, न्यू कंचनपुर, शारदा कॉलोनी, अधारताल, जबलपुर (म.प्र.), आधार क्रमांक 8255 8474 0788, यह घोषणा करती हूँ कि मेरे नाम में दस्तावेजों में त्रुटिवश "चंद्रवती विश्वकर्मा" अंकित हो गया है, जबकि मेरा सही एवं वास्तविक नाम "चंद्रलता विश्वकर्मा" है। अत: भविष्य में मेरे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, शैक्षणिक, बैंकिंग एवं अन्य सभी अभिलेखों में मेरा नाम चंद्रलता विश्वकर्मा ही मान्य किया जाए। यह सूचना सत्य एवं विधिसम्मत है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा कोई दावा मान्य नहीं होगा।
सही नाम– चंद्रलता विश्वकर्मा, पूर्व नाम– चंद्रवती विश्वकर्मा)

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)
म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता – हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

Mob.: 9770559042 Reg No. 48783
THE BEST ORTHO PHYSIOTHERAPY AND WELLNESS CENTRE
Dr. Riya Sonkar (PT) B.P.T., M.P.T. (Ortho) DNHE
Physiotherapist at GOVT RANIDURGAWATI (ELGIN) HOSPITAL JABALPUR
* Cupping & Manual Therapy
* Certified IASTM Therapist
* Certified Dry Needling Therapist
YOGA FITNESS CLASS ZUMBA
HOME VISIT AVAILABLE
64, Saket Nagar, Badi ukhri, Jabalpur (M.P.)
विशेष उपचार :-
Paralysis (लकवा)
Neck Pain (गर्दन दर्द)
Sciatica (सायटिका)
Frozen Shoulder (कंधे का दर्द)
Joint Pain (जोंड़ो का दर्द)
Osteoarthritis (बात)
Disc Prolapse/Slip disc (रीढ़ की हड्डी का खिसक जाना)
Facial Palsy etc (चेहरे का लकवा)
WEIGHT LOSS DIET
आधुनिक मशीनों एवं कसरत व व्यायम द्वारा उपचार किए जाते है

किसानों को उद्यानिकी फसलों के उत्पादन हेतु किया जाए प्रेरित

स्वरोजगार योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियों को दिलाएं लाभ : कमिश्नर

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि स्वरोजगार योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे स्वयं क्षेत्र भ्रमण कर स्वरोजगार योजनाओं के स्वीकृत प्रकरणों की समीक्षा करें तथा बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर प्रकरणों को शीघ्र स्वीकृत कराकर हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाएं। उन्होंने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को फल, मसाला एवं सब्जी उत्पादन आधारित उद्यानिकी फसलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें तथा विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करें।

कमिश्नर शहडोल संभाग सुरभि गुप्ता गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित बैठक में अधिकारियों के निर्देशित कर रही थीं। कमिश्नर ने उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत स्वीकृत प्रकरणों के संबंध में सहायक संचालक उद्यानिकी से जानकारी प्राप्त की। इस पर सहायक संचालक उद्यानिकी ने बताया कि योजना के अंतर्गत कुल 106 प्रकरण बैंकों को भेजे गए हैं, जिनमें से 15 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष प्रकरण लंबित हैं। इस पर कमिश्नर ने सहायक संचालक उद्यानिकी एवं जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को आपसी समन्वय स्थापित कर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करते हुए उन्हें स्वीकृत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना ठोस कारण के किसी भी प्रकरण को अस्वीकृत न किया जाए। कमिश्नर गुप्ता ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों से कहा कि दुधारू पशुओं के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि के प्रयास किए जांए, जिससे किसानों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आए और जिले में दुग्ध उत्पादन को भी बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय योजनाओं का संचालन पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और मनोयोग से किया जाए, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र हितग्राहियों तक सुनिश्चित रूप से पहुंच सके। कमिश्नर गुप्ता ने जिले की गौशालाओं की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान पशुपालन विभाग के उप संचालक ने जानकारी दी कि जिले में कुल 29 गौशालाएं हैं, जिनमें से 13 गौशालाएं वर्तमान में कार्यरत हैं। शेष गौशालाओं में पानी एवं बिजली की व्यवस्था नहीं होने के कारण संचालन प्रारंभ नहीं हो पाया है, जिन पर आवश्यक कार्य प्रगतिरत है तथा शीघ्र ही उन्हें प्रारंभ कर लिया जाएगा। इसी क्रम में कमिश्नर ने दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान 2.0 के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस पर उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा बताया गया कि यह अभियान 17 दिसंबर से प्रारंभ हो गया है। अभियान अंतर्गत जिले के 539 लक्षित ग्राम शामिल हैं। कमिश्नर ने गौशालाओं हेतु चरनोई भूमि की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली, जिस पर अधिकारियों द्वारा बताया गया कि जिले में लगभग 130 एकड़ भूमि चिन्हित किए जाने की प्रक्रिया जारी है। बैठक में चिलिंग प्लांट बिजुरी, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना सहित अन्य विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

सड़क किनारे लगी टीन शेड झुकी गिरने से कभी हो सकता हैं हादसा राहगीरों के लिए बना खतरा

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के कोतमा नगरपालिका क्षेत्र में रस्तोगी मोड़ से वार्ड 08 की ओर जाने वाली सड़क पर सड़क किनारे लगे टीन शेड ने राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह टीन शेड किसी दुर्घटना या दुर्घटनाजनित कारण से झुक गया है और सड़क के काफी पास तक आ गया है। स्थानीय निवेदकों के अनुसार रात के समय यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। सामने से यदि कोई बड़ा वाहन आता है, तो मोटरसाइकिल सवारों को टीन शेड के पास से गुजरते समय वाहन किनारे करना पड़ता है। इस दौरान टीन शेड और सिर के बीच की दूरी बहुत कम रह जाती है, जिससे संतुलन बिगड़ने पर सिर या गर्दन में गंभीर चोट लगने का खतरा रहता है। स्थानीय निवेदकों ने नगर पालिका से अनुरोध किया है कि शीघ्रता से टीन शेड को सीधा करवाया जाए और सड़क किनारे सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की जाए। नगर पालिका प्रशासन ने भी मामले का संज्ञान लेने और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। स्थानीय लोग चाहते हैं कि भविष्य में इस तरह की खतरनाक स्थिति से बचने के लिए सड़क किनारे स्थित सभी संरचनाओं की समय-समय पर नियमित जांच की जाए। इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा हमेशा बनी रहे और किसी भी प्रकार की अनहोनी की संभावना पूरी तरह से टाली जा सके।

इनका कहना है- हमने सड़क किनारे झुके हुए टीन शेड का संज्ञान लिया है। जल्द ही इसे सीधा करवाने के लिए कार्रवाई की जाएगी और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदीप झरिया सीएमओ नगरपालिका कोतमा

जंगल में मिली अज्ञात वृद्ध महिला का शव, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अनूपपुर अंतर्गत केकरपानी गांव से लगे जंगल में शुक्रवार की सुबह एक अज्ञात वृद्ध महिला का शव होने की सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर मृत महिला के शव को बरामद कर कार्रवाई की। इस संबंध में बताया गया कि एक 60 से 65 वर्ष की अज्ञात वृद्ध महिला पिछले कुछ दिनों से कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत केकरपानी,खोलईया एवं डालाडीह में अकेले विक्षिप्त स्थिति मे घूमती रहती थी जिसे कुछ ग्रामीणों द्वारा खाने की सामग्री भी दी जाती रही है जो शुक्रवार की सुबह केकरपानी गांव से लगे जंगल में मृत अवस्था में मिली जिसे कुछ ग्रामीणों ने मृत स्थिति में पड़े होने को देख कर वनरक्षक जगत सिंह मसराम एवं ग्राम पंचायत के सरपंच भवन सिंह को दिए जाने पर सरपंच के द्वारा घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस अनूपपुर दी जिस पर कोतवाली पुलिस के सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचकर मृत वृद्धा के शव का पंचनामा किया,वृद्धा का शव कुछ दिन पूर्व का होने से उसके शरीर में सडन की स्थिति रही है जिसे पी,एम,हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेजा गया घटना की जांच करते हुए अज्ञात वृद्ध महिला की पहचान का प्रयास पुलिस द्वारा की जा रही है।

अवैध पशु तस्करों से पुलिस ने पांच मवेशी कराए मुक्त, दो गिरफ्तार, पीकप जप्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत टंकी तिराहा के पास पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मवेशी तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर एक पिकअप वाहन को रोककर उसमें लोड मवेशियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। बताया जा रहा है कि यह वाहन मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था, जिसमें मवेशियों को ठूंस ठूंस कर क्रूरतापूर्वक भरा गया था।

पुलिस के अनुसार मुखबिर ने सूचना दी थी कि एक पिकअप वाहन में मवेशियों को अवैध रूप से भरकर यूपी की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस सक्रिय हुई और टंकी तिराहा पर वाहन चेकिंग शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 18 जीए 5997 को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन में क्रूरता पूर्वक लोड किए गए पांच नग मवेशी पाए गए। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। जब्त किए गए मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर भेजने की कार्रवाई की गई है। इस संबंध में उप निरीक्षक मोहन पड़वार ने बताया कि मवेशी तस्करी के इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और दो फरार आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि जब्त पिकअप वाहन और मवेशियों सहित कुल मशरूका की कीमत लगभग पांच लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ब्यौहारी पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में मवेशी तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है और आमजन ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

समाज के लोगों को एकजुट होकर नशा को करना होगा खत्म: हिमांशु तिवारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान के तहत कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन पर युवा टीम उमरिया दवाई शासकीय विद्यालय, बरबसपुर बिरसिंहपुर पाली में नशा मुक्ति जागरूकता, साइबर सतकर्ता एवं सड़क सुरक्षा हेलमेट जागरूकता विषयों पर विद्यार्थियों से संवाद किया गया एवं विद्यार्थियों को नशा न करने व नियमों का पालन करने के लिए जागरूक व प्रेरित कर शपथ दिलाई गई। विद्यालय प्राचार्य मैथिलीशरण पांडे ने विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि नशे के प्रकार, नशा एक बीमारी है, नशे की बीमारी से मुक्ति, नशे के बारे में पैदा हुई गलत धारणाओं व नशा प्रयोग करने वाले व्यक्ति के मुख्य लक्षणों आदि की जानकारी विस्तार से देकर नशा न करने बारे लोगों को जागरूक किया गया। सरकार व जिला प्रशासन का प्रयास है कि नशा मुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़े, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने साइबर की जानकारी देते हुए कहासाइबरक्राइम में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

कई बार लोग अनजाने में साइबर क्राइम कर बैठते हैं या इसका शिकार हो जाते हैं। अगर हम इसके प्रति जागरूक होंगे तो इससे हमें ही समाज को कोई नुकसान होगा। साइबर क्राइम से बचाव के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है।उन्होंने सड़क सुरक्षा की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रैफिक नियमों का सम्मान, शराब पीकर वाहन न चलाएं, सड़क के सबसे बड़े दुश्मन चार, नशा, नींद, रफ्तार और अधिक भार। इसके अलावा जेबरा क्रॉसिंग का प्रयोग करने संबंधित जागरूक किया। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने कहा कि नशे पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है, नशा भी छोड़ा जा सकता है, इसके लिए संकल्प लेना जरुरी है। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य न केवल जन-साधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागृत करना है बल्कि नशे के खिलाफ जन आंदोलन का रुप देना है ताकि नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़ कर अपना योगदान दे सकें।

केंद्रीय संचार ब्यूरो की चित्र प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

महिलाओं को आगे बढ़ाना विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए जरूरी: विधायक मनीषा सिंह

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। देश की महिलाएं जब आत्मनिर्भर और विकसित होगी तभी प्रधानमंत्री जी का वर्ष 2047 तक देश को विकसित करने का सपना पूरा हो सकेगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक महिलाओं को उठाना चाहिए। उक्त विचार जयसिंहनगर क्षेत्र की विधायक मनीषा सिंह ने केंद्रीय संचार ब्यूरो की चित्र प्रदर्शनी के शुभारंभ कार्यक्रम में व्यक्त किए। वह केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से शहडोल के शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय, रघुराज क्रमांक 2 में आयोजित विकसित भारत /2047 चित्र प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर बोली रही थीं। इस अवसर पर सुशील शर्मा, प्रियम त्रिपाठी और विद्यालय के प्राचार्य पी.के. मिश्रा आदि उपस्थित रहे। मनीषा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री विभिन्न वर्गों जैसे गरीब, किसान, युवा, महिलाओं आदि के विकास के लिए संकल्पित हैं। हम सबको उनके प्रयासों में अपना सहयोग देकर विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अपना योगदान देना चाहिए। आज जहाँ ड्रोन दीदी के माध्यम से महिलाएं कृषि में तकनीकी योगदान दे रही हैं, वहीं स्वसहायता समूह के माध्यम से बड़ी संख्या में घरों से बाहर निकल कर व्यवसाय कर रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। वहीं स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से युवाओं को भी स्वरोजगार और कौशल निर्माण में सहायता मिल रही है। कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी देते हुए केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक श्री पराग मांदले ने कहा कि प्रधानमंत्री की वर्ष 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना की पूर्ति के लिए जिन योजनाओं और कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया जा रहा है, उसकी जानकारी प्रत्यक्ष रूप से जन-जन तक पहुँचाने के लिए इस तरह की प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा यहाँ प्रदर्शित जानकारियों से विद्यार्थियों को भी भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन तथा आभार प्रदर्शन श्री हेमंत मरकवाड़े ने किया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी अख़्तर हुसैन के मार्गदर्शन में रासेयो के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत व लक्ष्य गीत की प्रस्तुति दी। साथ ही रांगोली प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। 20 दिसंबर तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में जीएसटी सुधार, नये श्रम कानून, ऑपरेशन सिंदूर, सरदार पटेल की 150 वीं जयंती, वंदे मातरम, स्वच्छता अभियान सहित विकसित भारत /2047 के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी पोस्टर्स के माध्यम से प्रदर्शित की गई है।

गांधी स्टेडियम खेल मैदान में बास्केटबाल को रिंग में डालकर खेल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिला मुख्यालय शहडोल में 14 वर्ष आयु वर्ग की 69वीं राष्ट्रीय शालेय बास्केटबाल प्रतियोगिता का गांधी स्टेडियम शहडोल में मध्यप्रदेश एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के मध्य आयोजित उद्घाटन मैच में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक मनीषा सिंह, विधायक ब्यौहारी शरद जुगलाल कोल, अध्यक्ष जिला पंचायत प्रभा मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने खेल मैदान में बास्केटबाल को रिंग में डालकर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण उमेश धुर्वे, राष्ट्रीय ऑब्जर्वर जयप्रकाश उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा उद्घाटन मैच का लुफ्त उठाया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर अतिथियों ने रंग बिरंगे गुब्बारे खुले आसमान में छोंडे.इस अवसर पर जोर दार आतिशबाजी भी की गई। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण उमेश धुर्वे ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 19 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक विभिन्न चार मैदानों में किया जाएगा। प्रतियोगिता में 30 टीमों के 358 खिलाड़ी, 71 टीम मैनेजर एवं कोच तथा प्रतियोगिता के आयोजन हेतु नियुक्त रेफरियों व्यवस्था से जुड़े अधिकारी भाग ले रहे हैं। इन सबके रूकने, भोजन, नास्ता तथा खिलाड़ियों को खेल मैदानों तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं।

श्री नर्मदे हर सेवा न्यास द्वारा जल संरक्षण संगोष्ठी एवं समरसता भोज का किया गया आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था श्री नर्मदे हर सेवा न्यास अमरकंटक द्वारा माँ नर्मदा तट ग्राम दमगढ़ में स्थित राम कुटी तट पर मां नर्मदा दर्शन के पश्चात जल संरक्षण संगोष्ठी व समरसता भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) रामलाल रौतेल ने कहा कि हमारी संस्कृति कुछ अलग है। हमारे रीति रिवाज रहन-सहन से ही हमारी पहचान है। हमें अन्य कार्यों के साथ हमारी संस्कृति को बचाकर रखना भी आवश्यक है। कुछ विदेशी ताकते हमें कमजोर समझ कर हमारे समुदाय को टारगेट बनाकर धर्म परिवर्तन का कार्य कर रहे हैं। इससे हमको सावधान रहना है। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद एवं श्री नर्मदे हर सेवा न्यास का संयुक्त प्रयास है कि क्षेत्र के लोगों के बीच जाकर उन्हें जागरूक कर समाज सेवा का कार्य करेंगे। समय-समय पर इस क्षेत्र के लोगों को योजनाओं की जानकारी दें तथा उनके बीच जाकर सेवा भाव के साथ कार्य करेंगे तो इसका लाभ क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक श्री भीम सिंह डामोर ने बताया कि जन अभियान परिषद समाज सेवा का कार्य कर रही है। समाज के लोगों में जन जागरण लाने, जागरूक करने तथा योजनाओं की जानकारी देकर उसका लाभ दिलाने का कार्य कर रही है। साथ ही जल संरचनाओं के संरक्षण व स्वच्छता का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नर्मदा जी को मां नर्मदा समझे जिसमें हमें मां का बोध तथा पूजा का भाव जागृत हो इन्हें अविरल निर्मल बनाए रखें। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री उमेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि जन अभियान परिषद द्वारा जल संचय अभियान के तहत बोरी बंधान के माध्यम से जल संरचनाओं के संरक्षण व संवर्धन का प्रयास किया जा रहा है। अभियान 15 नवम्बर से प्रारंभ किया गया है, जो 30 दिसंबर तक संचालित किया जाएगा। अभियान अंतर्गत जिले में लगभग 40 बोरी बंधान किए जा चुके हैं। इसका मुख्य उद्देश्य जल को रोक कर प्राकृतिक जल स्त्रोतों को मजबूती प्रदान करना तथा जल स्त्रोतों का संरक्षण करना तथा प्राकृतिक जल स्त्रोतों को बढ़ावा देना है।

संपादकीय

गांधी परिवार को राहत

राजधानी दिल्ली की राउज एवेन्यु अदालत ने ह्यनेशनल हेराल्ड केसह्न में आरोप-पत्र का संज्ञान लेने से इंकार कर दिया। आरोप-पत्र प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दाखिल किया था। सालों की जांच-पड़ताल, साक्ष्यों के संग्रह और आरोपितों से सवाल-जवाब के बाद यह आरोप-पत्र तैयार किया गया था। अदालत का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज किए बिना किसी आरोप-पत्र पर संज्ञान लेना संभव नहीं है, क्योंकि पूरी जांच एक निजी शिकायत के आधार पर की गई है। वह निजी शिकायत 2012 में डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने दर्ज कराई थी। यदि यह तर्क उचित है, तो इतने लंबे सालों तक सरकारी जांच एजेंसियां जांच क्यों करती रहीं? गौरतलब यह है कि 2019 में ह्यधनशोधन निवारण अधिनियम, 2002ह्न में यह संशोधन किया गया था कि जांच एजेंसी निजी शिकायत के आधार पर भी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर सकती है, लिहाजा वह अदालत में आरोप-पत्र भी दाखिल कर सकती है। ऐसे संसदीय संशोधन के बावजूद निचली अदालत ने संज्ञान क्यों नहीं लिया? बहरहाल इस सवाल पर ईडी उच्च न्यायालय में चुनौती दे सकता है, लेकिन निचली अदालत ने केस के मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की और जांच को जारी रखने के आदेश दिए। बेशक सोनिया-राहुल गांधी के लिए फिलहाल एक बड़ी राहत है, क्योंकि अदालत में आरोप तय नहीं होंगे, तो केस कैसे चलेगा? गांधी द्वय को सजा भी नहीं दी जा सकती। घोटाले का यह केस किसी भी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाएगा। ह्यनेशनल हेराल्ड केसह्न गांधी परिवार और कांग्रेस के लिए बेहद संवेदनशील है, क्योंकि उसे 2000 करोड़ रुपए के घपले के तौर पर चित्रित किया जाता रहा है। सोनिया-राहुल गांधी को अभियुक्त नंबर 1 और 2 बनाया गया है। 2000 करोड़ रुपए का आरोप न तो ईडी का है और न ही किसी अदालत में साबित हुआ है। ईडी ने भी करीब 900 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की हैं और केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने इसे 359 करोड़ रुपए की गड़बड़ी का मामला बताया था। तो फिर 2000 करोड़ रुपए का आंकड़ा कहां से उदित हुआ है? ह्यनेशनल हेराल्डह्न अखबार 1938 में जवाहर लाल नेहरू ने शुरू किया था। ह्यएसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेडह्न (एजेएल) कंपनी बनाई गई थी, जिसके शेयर नेहरू के अलावा, 5000 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों ने भी खरीदे थे। उसे ह्यआजादी का मुखपत्रह्न बनाने की कोशिशें थीं। मौजूदा संदर्भ में एजेएल के तमाम शेयर ह्ययंग इंडियन लिमिटेडह्न को हस्तांतरित कर दिए गए थे, जिसके 38-38 फीसदी (कुल 76 फीसदी) शेयर सोनिया-राहुल गांधी के नाम हैं। कंपनी एक्ट की धारा 25 के तहत पंजीकृत यह कंपनी ऐसी है, जिसमें कोई वेतन, लाभांश आदि नहीं लिया जा सकता। एजेएल की तमाम संपत्तियां लीज के तहत हैं, लिहाजा उन्हें बेचा नहीं जा सकता। संपत्तियों से 60 लाख रुपए का किराया दिखाया गया है। वह पैसा कहां जाता है, इस पर भी एजेंसी के सवाल हैं। यह मामला 2016 में सर्वोच्च अदालत में भी गया था, लेकिन अदालत ने गंभीर आपराधिक आरोपों के मद्देनजर कोई भी राहत देने से इंकार कर दिया। दिसंबर, 2015 में सोनिया-राहुल गांधी को ह्यपटियाला हाउस कोर्टह्न ने जमानत दी। ईडी 2014 से जांच शुरू कर चुका था। सवाल है कि प्राथमिकी और आरोप-पत्र के अंतसंर्बंधों का उल्लेख किसी ने भी क्यों नहीं किया? आरोप-पत्र के बिना गांधी परिवार ह्यआरोपितह्न कैसे करार दिया गया और जमानत किस आधार पर दी गई? कोई तो वजह होनी चाहिए कि जिसके आधार पर किसी को घोटाले का आरोपी कहा जाए? अब ऐसे सवाल नए सिरे से उठेंगे। आयकर, सीबीआई, ईडी सभी प्रमुख जांच एजेंसियां जांच कर चुकी हैं। उनके बावजूद दिल्ली पुलिस की ह्यआर्थिक अपराध शाखाह्न ने बीती 3 अक्तूबर को आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार की धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है। तो इससे पहले की जांच एजेंसियों के तात्कालिक निष्कर्ष किन कानूनी धाराओं के तहत थे? नतीजतन अब राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस इसे राजनीतिक दुर्भावना, दुष्प्रचार करने और गांधी द्वय पर कानूनी दबाव बनाए रखने का मामला बता रही है। भाजपा इसे तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने का संकल्प दोहरा रही है। क्या अब यह मामला नए सिरे से उठेगा अथवा उच्च अदालत हस्तक्षेप करेगी, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। वैसे जहां तक कांग्रेस का संबंध है, वह इसे राजनीतिक रंजिश का केस बताती है। उसका कहना है कि मोदी सरकार उन लोगों को सहन नहीं करती है, जो उसकी जनविरोधी नीतियों की खिलाफत करते हैं। इसीलिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर यह केस चलाया गया है, जबकि इसमें गड़बड़ वाली कोई बात नहीं है। दूसरी ओर भाजपा इसे धोखाधड़ी बताती है।

आतंक का कहर पहलगाम से ऑस्ट्रेलिया तक

आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब धर्म का नाम लेकर बार-बार निदोर्षों का कत्ल किया जाए, तो उस वैचारिक जड़ पर प्रहार अनिवार्य हो जाता है। भारत आज दुनिया से केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि स्पष्टता, साहस और कार्रवाई की अपेक्षा करता है। दुनिया के मानचित्र पर जब-जब निर्दोष नागरिकों का खून बहता है, तब-तब एक ही प्रश्न उठता है, आखिर आतंकवाद का यह सिलसिला कब थमेगा? भारत के कश्मीर स्थित पहलगाम से ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के बोंडी बीच जैसे सुरक्षित माने जाने वाले पर्यटन स्थल तक, हिंसा का पैटर्न एक जैसा है, भीड़, निहत्थे लोग और अंधाधुंध हमला। न कोई युद्धभूमि, न कोई सैन्य ठिकाना, फिर भी गोलियां चलती हैं, लाशें गिरती हैं और मानवता शर्मसार होती है। बोंडी बीच की घटना ने पश्चिमी दुनिया को झकझोर दिया है, तो पहलगाम घटनाक्रम भारत के लिए कोई नई त्रासदी नहीं थी। भारत दशकों से इस आग में जल रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि जो दर्द भारत लंबे समय से झेल रहा था, उसकी आंच अब वैश्विक चौखटों तक पहुंच चुकी है। अब मौका है कि, दुनिया को आत्ममंथन करना चाहिए और भावनात्मक संवेदना से आगे बढकर आतंकवाद की पोषक सरकारों से ठोस सवाल पूछने चाहिए। आज सबसे असहज करने वाला और विवादास्पद प्रश्न यही है कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय आतंकी घटनाओं में कट्टर इस्लामिक विचारधारा से प्रेरित तत्वों की संलिप्तता क्यों बार-बार सामने आती है। यह सच है कि इस्लाम एक वैश्विक धर्म है और उसके अनुयायियों की अधिकांश विशाल आबादी शांति से जीवन जीती है। यह भी उतना ही सच है कि दुनिया में आतंकवाद का शिकार स्वयं मुस्लिम समाज भी है, अफगानिस्तान, इराक, सीरिया और अफ्रीका के कई देश इसकी गवाही देते हैं। लेकिन इन तथ्यों के बावजूद इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि, अल कायदा, आईएसआईएस, लश्कर ए तैयबा, जैश ए मोहम्मद जैसे संगठनों ने

धर्म की आड़ में हिंसा को वैध ठहराने की जो कोशिशें की हैं, यहीं से आतंकवाद रूपी वैश्विक समस्या जन्म लेती है। आज आतंकवाद एक वैश्विक समस्या बन चुकी है क्योंकि यह किसी एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के सभी देशों को प्रभावित करती है। इस खतरनाक समस्या के समाधान के लिए विश्व के सभी देशों को एकजुट होकर बहुआयामी रणनीति अपनाने की जरूरत है, जिसमें सुरक्षा, संचार, गरीबी उन्मूलन और अन्याय का समाधान शामिल हो। भारत दशकों से आतंकवाद झेल रहा है। कश्मीर में पहलगाम, उड़ी, पुलवामा और मुंबई जैसे हमले केवल सुरक्षा चूक नहीं, बल्कि सीमा-पार प्रायोजित आतंकवाद की परिणति रहे हैं। भारत ने बार-बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह प्रश्न उठाया है कि जब आतंकवादी संगठनों की जड़ें और प्रशिक्षण शिविर स्पष्ट रूप से कुछ देशों और कट्टर नेटवर्कों से जुड़े हों, तो वैश्विक समुदाय कठोर कार्रवाई करने से क्यों बचता है? पहलगाम जैसे पर्यटन स्थल पर हमला यह दशार्ता है कि आतंकवादियों का उद्देश्य सैन्य जीत नहीं, बल्कि डर का वातावरण बनाना है, ताकि भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यटन और सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचे। कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों और जांचों में यह बात सामने आती रही है कि दक्षिण एशिया में सक्रिय अनेक आतंकी संगठनों को पाकिस्तान स्थित कट्टरपंथी नेटवर्कों से वैचारिक या लॉजिस्टिक समर्थन मिलता है। यही कारण है कि भारत बार-बार यह कहता रहा है कि आतंकवाद को ह्यअच्छाह्न और ह्यबुराह्न में बांटना अंततः पूरी दुनिया के लिए घातक सिद्ध होगा। दुर्भाग्यवश, जब तक यह आग दूसरों के घर में लगी रहती है, तब तक वैश्विक शक्तियां कूटनीतिक औपचारिकताओं से आगे नहीं बढ़ती हैं। बोंडी बीच जैसी घटनाएं इसी उदासीनता का परिणाम हैं। आज जो कट्टरता दक्षिण एशिया में पन रही है, वह वैश्वीकरण के दौर में सीमाओं से बंधी नहीं रह सकती। इंटरनेट, फंडिंग नेटवर्क और वैचारिक प्रचार ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय बना दिया है। ऐसे में यह मान लेना कि समस्या ह्यकिसी और कीह्न है, आत्मघाती भ्रम के अलावा कुछ नहीं है। यहां एक बात स्पष्ट करनी होगी, किसी पूरे समुदाय को दोषी ठहराना न तो समाधान है, न ही न्याय। लेकिन यह सवाल पूछना पूरी तरह से जायज है कि कट्टर इस्लामी आतंकवाद के विरुद्ध मुस्लिम-बहुल देशों और समाजों में वैचारिक स्तर पर पर्याप्त प्रतिरोध क्यों नहीं खड़ा हो पाया है? क्यों आतंकवाद की स्पष्ट और एकस्वर से निंदा अक्सर राजनीतिक शर्तों में उलझकर रह जाती है? भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपना रुख स्पष्ट रखा है। सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह स्पष्ट संकेत दिए हैं कि, भारत अब केवल बयान नहीं देता, बल्कि निर्णायक कार्रवाई भी करता है।

यह कार्रवाई किसी देश या नागरिक आबादी के विरुद्ध न होकर विशिष्ट आतंकी ढांचों के विरुद्ध होती है। अब भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपना ली है। भारत, संयुक्त राष्ट्र में सीसीआईटी जैसे प्रस्तावों के माध्यम से लगातार यह मांग करता रहा है कि आतंकवाद की एक सार्वभौमिक परिभाषा तय हो और उसके प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाए। 1996 में, भारत ने ह्यअंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय का प्रस्तावह्न संयुक्त राष्ट्र महासभा में रखा था, जिसका उद्देश्य सभी प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद को अपराध घोषित करना और आतंकवादियों, उनके वित्तपोषकों तथा समर्थकों को धन, हथियार और सुरक्षित आश्रयों से वंचित करना था। हैरानी वाली बात है कि 29 सालों के बाद भी आतंकवाद की परिभाषा पर सदस्य देशों के बीच असहमति के कारण यह प्रस्ताव अभी तक पारित नहीं हो सका है। केवल संवेदनाएं व्यक्त करने से न बोंडी बीच सुरक्षित होगा, न पहलगाम। निष्कर्षतः, बोंडी बीच से पहलगाम तक फैला यह खून का नक्शा एक चेतावनी है। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब धर्म का नाम लेकर बार-बार निदोर्षों का कत्ल किया जाए, तो उस वैचारिक जड़ पर प्रहार अनिवार्य हो जाता है। भारत आज दुनिया से केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि स्पष्टता, साहस और कार्रवाई की अपेक्षा करता है। क्योंकि आतंकवाद यदि आज भारत का दर्द है, तो कल वह पूरी दुनिया का नासूर भी बन सकता है।

फुटपाथों पर गुम जिंदगी

आजकल हर बात को आध्यात्मिक तेवर देने का जमाना हो गया है। पहले इस संसार को मोह-माया कहते थे, और जीवन को क्षणभंगुर। इसी को अब जिंदगी में उतार लिया गया। इंटरनेट की ताकत मिलने के बाजे बजने लगे। इनसान से बड़ी उसकी बनाई मशीनें हो गईं, जिन्हें रोबोट कहते हैं। अपनी बुद्धि का इस्तेमाल न कर सकने वाले लोग कृत्रिम मेधा का आविष्कार करने चले हैं। आविष्कार तो हो गया, लेकिन उसने समस्या के समाधान से पहले गहरी बनावटी मशीनें इनसान को भेंट कर दीं। इसे डीप फेक कहते हैं। इसे आभासी दुनिया कहते हैं अर्थात किसी भी व्यक्ति के मुंह से अपनी मर्जी के संवाद निकलवा कर, अपनी मर्जी की क्रिया करवा उसका चित्र बना कर आभासी दुनिया पैदा कर दो। इंटरनेट की ताकत मिली है। उससे अंतरराष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान चिकित्सा उपचार के स्थान पर ठगी अंतरराष्ट्रीय हो गई। हावर्ड और आक्सफोर्ड का ज्ञान तो आपकी नई पीढ़ी तक पहुंचा नहीं। हां, अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधों ने अवश्य आपके दरवाजों पर दस्तक दे दी है। दिन-ब-दिन इनके आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं, तो इनके विरुद्ध कार्यवाही के समाचार भी उतने ही मुखर हो गए हैं। मोबाइल की घंटी बजाओ, पहले एक लम्बा भाषण इनके विरुद्ध आपको मिलाया जाता है, नतीजा ठन-ठन गोपाल है। हां, धीरज का पाठ अवश्य मिल गया कि जरूरी से जरूरी बात करने से पहले भी यह भाषण सुनो। हां, जब ठगी हो जाए, तो इसकी शिकायत दर्ज करवाने के लिए दिए गए नंबरों पर घण्टी बजती रहती है। कोई उन्हें नहीं उठाता। सम्पर्क संस्कृति की सहायता से शिकायत दर्ज करवाओ, तो भी कोई नतीजा नहीं। न बैंकों से भुगतान रुकता है, न कभी ठगी करने वाला पकड़ा जाता है बल्कि एक उलाहना अवश्य आस-पड़ोस से मिल जाता है, अरे इतने समझदार और पढ़े लिखे होकर भी आप ठगी का शिकार हो गए। डिग्रियां क्या मूर्ख बनने के लिए बटोरी थीं। जी नहीं, क्रांति की घोषणाएं करने में सक्षम होने के लिए बटोरी थीं। उनके लिए अच्छे संवाद बटोरने के लिए प्राप्त की थीं। घोषणाएं होती हैं। फुटपाथी लोगों के कायाकल्प के वायदों की उम्र पौन सदी हो गई, लेकिन बदलाव वहां का वहां खड़ा है। सडक का आदमी मिथ्या आंकड़ों से पैदा सफलताओं के उत्सव में गुम हो गया और बहुमंजिली इमारतों के कंगूरे और भी ऊंचे होते गए। खैर, अब तो बनावटी मेधा की मशीनें भी ईजाद हो गईं। अब तो अपनी अक्ल, ज्ञान और अभिव्यक्ति के विकास की भी जरूरत नहीं। मौलिकता लम्बी छुट्टी पर चली गई। असाधारणता इनसे पैदा किए हुए संवादों में गुम हो गई। इनसे पैदा किए हुए नित्य नए संवादों से अब मंचों से क्रांतियों और परियोजनाओं की घोषणा होगी, जिनका असर कभी दिखाई नहीं देगा। अर्थात आपके भाषणों, प्रचार, उनकी घोषणाओं और दावों में मशीनी कलाई की पुलाई और हो जाएगी, और नतीजा ठन-ठन गोपाल होगा। शिक्षा क्रांति घोषणा उम्रदराज हो गई। नया सर्वेक्षण भी बताता है कि चार जमात पढ? के बाद भी आपको अपनी भाषा की वर्णमाला के शब्द याद नहीं होते। सौ तक की गिनती नहीं कर सकते, न उल्टी न सीधी। दसवीं तक का पहाड़ा नहीं आता। दर और औसत नहीं निकालनी आती। हां, यह प्रचार सुन प्रसन्न होना अवश्य आ गया, कि आपके देश की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक हो गई। आप दुनिया की महान आर्थिक शक्ति बन गए, कभी पांचवीं, अब चौथी। जल्द ही तीसरी, और इस आभासी तरक्की के सौ साल गुजारोगे तो शायद दुनिया में पहली शक्ति बनोगे। आभासी तरक्की इसलिए कहा क्योंकि इसका आभास आजकल केवल सफलता की घोषणाओं में होता है, इसके मनाए गए उत्सवों में होता है। चंद ऊंची इमारतों के कंगूरों के मालिकों को छोडकर असल जिंदगी तो आज टूटे फुटपाथों, और अंधेरी कोठरियों में गुम हो गई है।

राशिफल

मेष राशि :- यात्रा भय कष्ट, व्यावसाय बाधा, लाभ, पारिवारिक समस्या उलझन भरी रहेगी।

वृष राशि :- राजभय रोग, स्वजन सुख, शिक्षा व लेखन कार्य में सफलता व प्रगति होगी।

मिथुन राशि :- वाहन भय, मातृ कष्ट, हानि तथा अशांति का वातावरण रहेगा, लाभ के अवसर बनेंगे।

कर्क राशि :- सफलता, उन्नति, शुभ कार्य, विवाद, राज कार्य मामलें मुकदमें में प्रगति, जीत होगी।

सिंह राशि :- शरीर कष्ट, कार्य व्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधार होगे, रुके कार्य बन जाएगे।

कन्या राशि :- खर्च, विवाद, स्त्री कष्ट, विद्या लाभ और धीरे-धीरे सुधार होगा, अवरोध में सुधार होगा।

तुला राशि :- यात्रा से हर्ष, राज लाभ, शरीर कष्ट, खर्च की मात्रा बढ़ेगी, आर्थिक कष्ट बढ़ जाएंगे।

वृश्चिक राशि :- कार्यवृत्ति से लाभ, यात्रा संपत्ति, लाभ, व्यापारी गति में सुधार अवश्य होगा।

धनु राशि :- अल्प लाभ चोट और अग्नि शरीर भय, मानसिक परेशानी अवश्य ही बनेगी।

मकर राशि :- शत्रु से हानि, कार्य व्यय, शारीरिक सुख होवे, कभी-कभी कुछ कष्ट अवश्य हो।

कुंभ राशि :- सुख व्यय, संतान सुखकार्य, सफलता उत्साह की वृद्धि होगी, ध्यान रखें।

मीन राशि :- पदोन्नति, राजभय, न्याय, लाभ हानि, अधिकारियों से मन मुटाव अवश्य बनेगा।

सर्दियों में इस तरह करेंगी पैरों की देखभाल तो नहीं फटेंगी एड़ियां

सर्दियों के मौसम में हमारी स्किन को सबसे ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। खासकर पैरों को। सर्दियां बढ़ते ही कई लोगों की एड़ियां फटने लगती हैं। क्योंकि मौसम में नमी की कमी हो जाती है और पैरों की स्किन सूख जाती है। यही सूखापन आगे चलकर दर्द भरी दरारों में बदल जाती हैं। जिसके कारण चलने-फिरने में परेशानी होने लगती है। वहीं ठंडी हवा जैसे-जैसे नमी खींचती है, पैरों की मोटी स्किन और ज्यादा तेजी से डिहाइड्रेट होने लगती है। वहीं एड़ियों की स्किन वैसे भी थोड़ी कठोर होती है, इसलिए सूखते ही एड़ियां फटने लगती हैं। लंबे समय तक खड़े रहना, खुली चप्पल पहनना, बढ़ती उम्र या मोटापा यह सब इस समस्या को अधिक बढ़ा देते हैं। फटी एड़ियों के शुरूआती लक्षणों में हल्की परतें उतरना, रूखी और सख्त स्किन, पतली या गहरी दरारें और चलने में दर्द शामिल होना है। इस बार जगह-जगह पर लालपन या हल्का खून तक दिखने लगता है।

ऐसे करें पैरों की देखभाल : सर्दियों के मौसम में मॉइस्चराइजिंग सबसे जरूरी है। मोटे और गाढ़े फुट-क्रीम जैसे ग्लिसरीन, यूरिया, शिया बटर या पेट्रोलियम जेली वाली क्रीम आपकी एड़ियों को नरम रखने में मदद करती है। आप नहाने के फौरन बाद क्रीम लगाने से नमी देर तक टिकती है। वहीं पैरों को हल्के गर्म पानी में भिगोने से स्किन नरम होती है। जिससे एक्सफोलिएट करना आसान हो जाता है। करीब 10-15 मिनट गर्म पानी में पैरों को भिगोने के बाद प्यूमिक स्टोन से धीरे-धीरे डेड स्किन को हटाएं। ध्यान रखें कि पैरों को ज्यादा न रगड़ें, वरना दरारें बढ़ सकती हैं। बता दें कि हील बाम साधारण क्रीम से कहीं ज्यादा असरदार होती है। यह पैरों की दरारों को जल्दी भरने में मदद करती है और रात भर स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करती है। रात में सोने से पहले हील बाम लगाने से एड़ियां पहले से कहीं बेहतर लगेंगी। इस क्रीम को लगाने के बाद सूती मोजे पहनें। इससे नमी बंद रहती है और आपके पैरों में धूल-मिट्टी भी नहीं चिपकती है। वहीं एड़ियों पर भी घर्षण कम होता है। फुटवियर भी एड़ियों को फटने से रोकने में बड़ी भूमिक निभाता है। सर्दियों में बंद और सांस लेने वाले जूते पहनने चाहिए। इससे एड़ियां ठंडी और हवा से बचती हैं। वहीं पतले या सख्त तलवे वाले जूते पहनने से एड़ियों पर दबाव बढ़ता है। अगर आपकी एड़ियां काफी ज्यादा फट गई हैं और आपको चलने में दर्द होता है या हल्का इंफेक्शन दिख रहा है।

होम्योपैथी एनीमिया के सभी प्रकारों के उपचार में प्रभावी

हिमाचल प्रदेश के सोलन में हुई सीएमई में डॉ. द्विवेदी ने दिया व्याख्यान

जबलपुर। हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में आयोजित कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम में केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य और मप्र आयुर्विज्ञान विवि में होम्योपैथी संकाय के अंतर्गत बोर्ड ऑफ स्टडी के सदस्य डॉ. एके द्विवेदी ने एनिमिया इन प्रग्नेंसी विषय पर व्याख्यान दिया। इस सीएमई में विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर, झारखंड, राजस्थान, नई दिल्ली, गोवा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश से प्रतिभागियों ने भाग लिया। व्याख्यान के दौरान डॉ. द्विवेदी ने कहा कि होम्योपैथी एनीमिया के सभी प्रकारों के उपचार में सफल है। शरीर में रक्त की मात्रा बढ़ने से न केवल कार्यक्षमता बढ़ती है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। एनीमिया मुक्त समाज ही सशक्त भारत की वास्तविक नींव है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान महिला शरीर में रक्त की मात्रा लगभग 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है, जिससे आयरन एवं विटामिन की आवश्यकता भी बढ़ जाती है। यदि यह आवश्यकता पूरी न हो तो एनीमिया की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिसका सीधा प्रभाव मां एवं गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ता है।

डॉ. द्विवेदी ने एनीमिया के प्रमुख कारणों पर भी प्रकाश डालते हुए बताया कि महिलाओं में माहवारी के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव, नाक से बार-बार खून आना (नकसीर), ब्लीडिंग पाइल्स, तथा प्रतिदिन ब्रश करते समय मसूड़ों से खून आना भी एनीमिया के प्रमुख कारण हो सकते हैं, जिन्हें अक्सर लोग गंभीरता से नहीं लेते।एनीमिया की रोकथाम पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि एनीमिया न केवल रोका जा सकता है, बल्कि सही समय पर पहचाना जाए तो ठीक भी किया जा सकता है। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इस मिशन से जुड़कर भारत सरकार के एनीमिया मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

डॉ. द्विवेदी ने विशेष रूप से किशोरावस्थासे ही एनीमिया पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने दैनिक आहार में ग्रीन लीफी वेजिटेबल, लाल फल एवं लाल सब्जियों को शामिल करने पर जोर देते हुए कहा कि दिन में यह अवश्य सुनिश्चित करें कि कुछ हरा और कुछ लाल आहार अवश्य लिया जाए। उन्होंने आंवले को शरीर के लिए अमृत बताते हुए किसी भी रूप में आंवला सेवन करने की सलाह दी।उन्होंने घर से ही स्वस्थ आदतों की शुरूआत करने पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को गुड़, चना, बादाम, मुनक्का, पिंड खजूर, गाजर, चीकू, चुकंदर, अनार जैसे प्राकृतिक खाद्य पदार्थ खाने की आदत डालें। सर्दियों में घर पर बनाए जाने वाले गुड़-ड्राई फ्रूट के लड्डू, गुड़-तिल की गजक एवं चिक्की को भी रक्त बढ़ाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि जो भी आहार हड्डियों को मजबूत बनाता है, वही शरीर में रक्त निर्माण में भी सहायक होता है। व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों ने खुलकर प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. द्विवेदी ने अत्यंत सरल एवं व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया। उनकी एक-एक बात श्रोताओं को न केवल रुचिकर लगी, बल्कि उनके दैनिक जीवन से भी गहराई से जुड़ी हुई महसूस हुई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. द्विवेदी ने एक ऐसे मरीज को भी देखा, जिसका हीमोग्लोबिन मात्र 3.6 ग्राम था और जो लंबे समय से अप्लास्टिक एनीमिया से पीड़ित है। मरीज पूर्व में एटीजी ट्रीटमेंट भी करा चुका था, लेकिन संतोषजनक लाभ नहीं मिला। जैसे ही उसे जानकारी मिली कि डॉ. ए.के. द्विवेदी सोलन आ रहे हैं, वह विशेष रूप से उनसे परामर्श हेतु कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वसुंधरा मेहरोत्रा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पवन द्विवेदी एवं सीएमई की कोऑर्डिनेटर डॉ. अर्चना शर्मा ने डॉ. ए.के. द्विवेदी का मोमेंटो एवं प्रमाण-पत्र भेंट कर स्वागत किया तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के तकनीकी संचालन में डॉ. तरुण राजपूत, डॉ. सुरभि एवं विशाल शर्मा का महत्वपूर्ण सहयोग रहा, जिसके कारण सीएमई अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफल रही।

सर्दियों में पाएं चाँद सा निखरा चेहरा, घी-मलाई फेस पैक से पाएं बेमिसाल खूबसूरती

आप घर पर घी और मलाई का इस्तेमाल करके अपने फेस की खूबसूरती को बरकरार रख सकती हैं। सर्दियों के मौसम में अधिकतर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखने का प्रयास करती हैं। अगर आप भी फेस पर होने वाले पिंपल्स, रैशेज और फटे गालों को स्मूथ और खूबसूरत बनाना चाहती हैं। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह से घी और मलाई के इस्तेमाल से अपनी त्वचा को बनकर तैयार है, इसको अपने फेस पर इस्तेमाल करें।

इन बातों का रखें ध्यान

जब भी आप इस फेस पैक को चेहरे पर अप्लाई करें, तो सबसे पहले चेहरे को पानी से धो लें। इसके बाद इसका इस्तेमाल करें। आप सप्ताह में दो बार इस फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं चेहरे पर करीब 40 मिनट तक लगाकर रखें। इसके बाद फेस को साफ पानी से धो लें और फिर चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाएं। अगर आप पहली बार इस फेस पैक का इस्तेमाल कर रही हैं, तो पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें।

कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर दर्ज हुई एफआईआर, ढीमरखेड़ा तहसील में भी जल्द हो सकती है कार्यवाही

धान के फर्जी पंजीयन पर कम्प्यूटर ऑपरेटर सहित 4 के विरूद्ध कुठला थाने में मामला दर्ज

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान रीठी तहसील में धान खरीदी पंजीयन में धोखाधड़ी के मामले में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर कम्प्यूटर ऑपरेटर सहित 4 व्यक्तियों के विरूद्ध पुलिस थाना कुठला में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी प्रियंका सोनी की शिकायत पर कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रीतम सिंह लोधी, संपत अग्रवाल, रंजना अग्रवाल एवं मीराबाई पति विनोद कुमार के विरूद्ध कूटरचना करते हुये धान का फर्जी पंजीयन कराने के मामले में कुठला पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है।

बीते 4 नवंबर को हुई जनसुनवाई में धान खरीदी पंजीयन में भारी गड़बड़ी संबंधी शिकायत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी को प्राप्त हुई। कलेक्टर के निर्देश पर प्राप्त शिकायत की जांच कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं नायब तहसीलदार बिलहरी के द्वारा संयुक्त रूप से की गई। मामले की जांच में पाया गया कि मीराबाई पत्नी विनोद कुमार के नाम पर पंजीयन क्रमांक 226424000047 दर्ज है। जिसका कुल पंजीकृत रकबा 19.37 हेक्टेयर है। दिलचस्प पहलू यह है कि पंजीयन में मीराबाई पत्नी विनोद कुमार के अलावा रीठी तहसील के अन्य व्यक्तियों के खसरे पंजीयन में बिना उनकी सहमति से जुड़वाये गयें थे। पंजीयन क्रमांक 226424000047 में जोड़े गये खसरों के भूमि-स्वामियों की जांच एम.पी. भू-अभिलेख के पोर्टल पर की गई। जिसमें पंजीयन में दर्ज कोई भी खसरा आवेदन में उल्लेखित किसान मीराबाई पत्नि विनोद कुमार ग्राम थनौरा के नाम का होना नहीं पाया गया। पंजीयन में दर्ज किसान द्वारा अन्य भूमि-स्वामियों के नाम की भूमि स्वयं के नाम पर पंजीकृत कराई गई, जिसके संबंध में पंजीयनकर्ता कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रीतम सिंह लोधी द्वारा किसी भी प्रकार के दस्तावेज व अनुबंध जांच समय उपलब्ध नहीं कराए गए। पंजीयन क्रमांक 226424000047 का ई-उपार्जन पोर्टल पर खरीफ उपार्जन वर्ष 2024-25 की जानकारी निकालने पर पाया गया कि पूर्व वर्ष में भी मीराबाई पत्नि विनोद कुमार के नाम से पंजीयन होना पाया गया एवं दर्ज बैंक खाता क्रमांक 157001999804 समान है। पिछले साल मीराबाई के पंजीयन क्रमांक 226424000047 में 412 क्विंटल धान का विक्रय किया गया था। जिसके लिये बैंक खाता नंबर 157001999804 में 9 लाख 47 हजार 599 रुपए का भुगतान भी हो चुका है। इस बैंक खाते से सम्पत अग्रवाल की पत्नी रंजना अग्रवाल के बैंक खाता नंबर 157001971301 में 1 लाख 53 हजार रुपए अंतरित किये गये। इसके साथ ही 3, 4 एवं 6 जनवरी 2025 को तीनों दिवसों में 2-2 लाख रुपए का नगद आहरण जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रीठी से किया गया। यह स्पष्ट होने पर कि कृषक मीरा बाई पत्नि विनोद कुमार, रंजना अग्रवाल, सम्पत अग्रवाल निवासी ग्राम तिलगवां तहसील रीठी जिला कटनी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रीतम सिंह लोधी के द्वारा विगत वर्ष में शासन को आर्थिक क्षति पहुँचाते हुये इस वर्ष भी पुनः उसी कृत्य को दोहराने की मंशा से कूटरचना करते हुये फर्जी पंजीयन कराया गया, जो कि शासन द्वारा जारी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की पंजीयन नीति में उल्लेखित प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन होकर दण्डनीय है। संबंधितो के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4), 340(1), 340(2), तथा 336(3) के तहत मामला कुठला थाना में प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

भूमि सीलिंग कानूनों के तहत मिली जमीन के दुरुपयोग के आरोप प्रशासन की भूमिका पर उठे सवाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। शासन द्वारा गरीब किसानों को खेती कर जीवनयापन के लिए जो भूमि आवंटित की गई थी, वह भूमि सीलिंग कानूनों और संबंधित योजनाओं के आधार पर दी गई थी। यह प्रक्रिया देश के कुछ राज्यों में आज भी जारी है, ताकि भूमिहीन और गरीब किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। लेकिन सिवनी जिले में इस व्यवस्था के दुरुपयोग के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय किसानों का आरोप है कि कुछ लाभार्थी किसानों ने उन्हें दी गई सीमित भूमि से आगे बढ़कर आसपास की शासकीय जमीन पर भी अवैध रूप से खेती शुरू कर दी है और बड़े-बड़े रकबे पर कब्जा कर खेत बना लिए हैं। इससे न केवल शासकीय भूमि पर अतिक्रमण बढ़ा है, बल्कि आसपास के अन्य किसानों के लिए भी यह एक बड़ी समस्या बन गया है। जानकारों का कहना है कि यदि प्रशासन निष्पक्ष जांच कराए और भूमि सीलिंग कानूनों के तहत आवंटित जमीनों की वास्तविक नाप-जोख करवाई जाए, तो स्पष्ट हो जाएगा कि जिन जमीनों का उद्देश्य केवल सीमित खेती और जीवनयापन था, उनका रकबा अचानक कैसे बढ़ गया। ऐसी जांच से पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि शासन-प्रशासन इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच कराए, अवैध रूप से जोती जा रही शासकीय भूमि को मुक्त कराए और भूमि सीलिंग कानूनों की मंशा के अनुसार वास्तविक हकदार गरीब किसानों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करे।

कार्यक्रम में पहुचने की लोगो से की गई अपील

ओबीसी महासभा द्वारा 21 दिसंबर को संत गाडगे चौराहे पर आयोजित किया जाएगा सामाजिक संगोष्ठी

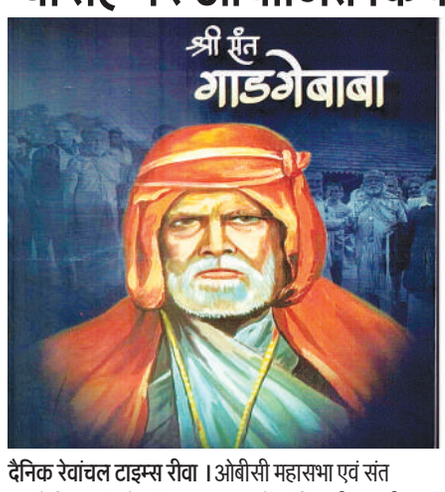

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। ओबीसी महासभा एवं संत गाडगे विचार मंच के संयुक्त तत्वाधान में क्रांतिकारी मातादीन भंगी, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल, भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर तथा संत गाडगे बाबा की स्मृति दिवस के अवसर पर एक सामाजिक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम संत गाडगे चौक रीवा में दोपहर 12:00 बजे दिनांक 21 दिसंबर 2025 को आयोजित होगा। ओबीसी के जिला अध्यक्ष छोटेलाल रजक ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान चारों महापुरुषों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा साथ ही उनके सामाजिक, राष्ट्रीय एवं मानवतावादी विचारों को वर्तमान संदर्भ में जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। ओबीसी महासभा के पदाधिकारी ने कहा है कि क्रांतिकारी मातादीन भंगी ने सामाजिक, अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग दिखाया, सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता के मजबूत किया। बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने समानता और सामाजिक न्याय की नींव रखी तथा संत गाडगे बाबा ने स्वच्छता श्रम और सेवा के माध्यम से समाज सुधार का संदेश दिया है। जिसके लिए आयोजक संस्था ने समस्त नागरिकों, छात्र-छात्राओं, बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों एवं मातृशक्ति से तन मन धन से सहयोग कर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सामाजिक कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सेवा सहकारी समिति बांस-2 देवास कपुरी वेयर हाउस में अव्यवस्थाओं का आलम, लुट रहे किसान प्रशासन मौन

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। रीवा जिले के देवास कपुरी धान खरीदी केंद्र पर इन दिनों किसानों के साथ खुली लूट और घोर अव्यवस्थाओं का खेल चल रहा है। अपनी मेहनत की धान फसल बेचने पहुँचे किसान परेशान है। केंद्र पर न तो पीने के पानी की सुविधा, और न ही किसानों के ठहरने के लिए कोई इंतजाम। ठंड के बीच किसान घंटों-दिनों तक लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। किसानों का आरोप है कि सेवा सहकारी समिति खरीदी केंद्र बॉस क्रमांक-2 में किसानों से 41 किलो से ज्यादा बजन लिया जाता है इसके साथ ही तौलाई का पैसा भी हम किसानों को देना पड़ता है।जबकि शासन के नियमानुसार 40:600 ग्राम लेना चाहिए और तौलाई का पैसा समिति द्वारा दिया जा रहा है। जिस पर प्रशासन द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके लिए किसानों ने जिला प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषी समिति प्रबंधक महेंद्र त्रिपाठी पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। लोनी बांध सूती में एसडीओ एवं इंजीनियर के मिलीभगत से बनाया जा रहा गुणवत्ताविहीन पम्प हाउस।

ग्रामीणों ने निर्माण कार्य पर घटिया मटेरियल लगाने का लगाए आरोप

दैनिक रेवांचल टाइम्स त्योंथर। जिले में भ्रस्टाचार इस कदर हॉबी हो गया है कि शिकायत के बावजूद कोई अधिकारी कर्मचारी जांच करने को तैयार नही है जिस कारण भ्रष्टाचारी अपने मनमानी पर उतारू है इसी तरह का मामला रीवा जिले के त्योंथर तहसील अंतर्गत सबसे बड़े लोनी बांध सूती कठार गांव से सामने आया है जहा पर जल संसाधन विभाग के निविदा पर ठेकेदार के द्वारा कठार गांव में पंप हाउस बनाया जा रहा है जो मानकविहीन है। ग्रामीणों का आरोप है कि जो भी मटेरियल उपयोग किया जा रहा है वह घटिया किस्म के है इसके अलावा जो उस निर्माण कार्य मे सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है वह पुरानी सीमेंट है जिसमे रोड़े बन गए है। कई बार जल संसाधन विभाग के एसडीओ बीरेंद्र खंगार एवं उपयंत्री मनीष तिवारी को अवगत कराया गया लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिस कारण ठेकेदार द्वारा मनमानी पूर्वक निर्माण कार्य कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि उक्त निर्माण कार्य मे उपयंत्री और एसडीओ की मिलीभगत है इसी बजह से न ही कोई विभागीय जांच हो रही है न ही कोई ठेकेदार पर कार्यवाही हो रही है यदि गुणवत्ताविहीन कार्य पर जांच एवं कार्यवाही नही होती तो इसकी शिकायत जिला कलेक्टर रीवा से की जाएगी।

1 लाख 97 हजार रुपये से अधिक वसूला गया शमन शुल्क

परिवहन विभाग द्वारा चलाया गया सघन जांच अभियान, 23 वाहनों पर हुई कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। बिना परमिट, फिटनेस तथा लाइसेंस के अवैध रूप से संचालित होने वाले वाहनों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा दिये गये निर्देश पर परिवहन विभाग द्वारा 13 दिसंबर से 18 दिसंबर तक जिले के विभिन्न मार्गों पर सघन जांच अभियान चलाया गया। अतिरिक्त जिला परिवहन अधिकारी श्री संतोष पॉल ने बताया कि अभियान के दौरान कटनीझमैहर मार्ग एवं कटनीझजबलपुर मार्ग पर कुल 138 वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 23 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 1 लाख 97 हजार 820 रुपये का शमन शुल्क वसूल किया गया। इस दौरान कटनीझमैहर मार्ग पर थाना कुठला अंतर्गत की गई जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इस मार्ग पर वाहन क्रमांक एमपी 21 जी 0957 से 34 हजार 160 रुपये, डीएल 1 एलअआर 9214 से 39 हजार 160 रुपये, एमपी 20 जेडई 5917 से 18 हजार रुपये, एमपी 21 एल 1012 से 5 हजार रुपये, एमपी 20 जीए 9585 से 5 हजार रुपए तथा एमएच 40 डीएल 2902 से 10 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। इन वाहनों में परमिट, टैक्स अथवा अन्य वैधानिक दस्तावेजों में कमी पाई गई थी। इसी प्रकार कटनीझजबलपुर मार्ग पर थाना

यातायात अंतर्गत सघन जांच की गई। इस मार्ग पर एमपी 21 आर 5003 से 15 हजार रुपये, एमपी 21 आर 2237 से 5 हजार रुपये, एमपी 20 जीए 5841 से 10 हजार रुपये, एमपी 21 आर 3011 से 10 हजार रुपये, एमपी 20 जीए 6032 से 5 हजार रुपये, एमपी 21 आर 4069 से 5 हजार रुपये, एमपी 21 आर 3575 से 5 हजार रुपये, एमपी 07 जेडवाय 1323 से 3 हजार रुपये, एमपी 16 जीए 1183 से 5 हजार रुपये, एमपी 21 एल 0991 से 1 हजार रुपये, एमपी 04 वायके 7817 से 1 हजार रुपये, एमपी 18 डीए 0146 से 2 हजार रुपये, एमपी 20 एलबी 4076 से 1 हजार रुपये, एमपी 20 जीए 7372 से 500 रुपये, एमपी 21 जी 0784 से 1 हजार रुपये, एमपी 21 जी 6084 से 1 हजार रुपये तथा यूपी 14 डीटी 7333 से 15 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। जांच के दौरान गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर थाना यातायात में कुल चार वाहनों को जब्त कर सुरक्षार्थ रखा गया। इसके अतिरिक्त एक बस वाहन क्रमांक आरजे 27 पीबी 2806 को कटनीझजबलपुर मार्ग पर बिना परमिट संचालित पाए जाने पर जब्त कर परिवहन कार्यालय कटनी में सुरक्षित रखा गया। वहीं, एक ऑटो रिक्शा को भी नियमों के उल्लंघन के चलते जप्त कर आरटीओ कार्यालय कटनी में सुरक्षार्थ रखा गया। अतिरिक्त जिला परिवहन अधिकारी श्री पॉल ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों एवं वाहन स्वामियों से अपील की कि वे अपने वाहनों के सभी वैध दस्तावेज जैसे परमिट, फिटनेस, बीमा, टैक्स एवं ड्राइविंग लाइसेंस अद्यतन रखें और परिवहन नियमों का पालन करें। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घर-घर मोटर लगाने से नल-जल योजना की सप्लाई बाधित

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- नल-जल योजना जल निगम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में की जा रही जल आपूर्ति व्यवस्था मोटर पंपों के मनमाने उपयोग के कारण चरमराती नजर आ रही है। कई पंचायतों में कुछ लोग घरों में मोटर लगाकर अधिक मात्रा में पानी खींच लेते हैं, जिससे अंतिम छोर के ग्रामीणों तक पानी नहीं पहुंच पाता और उन्हें गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि योजना के तहत पर्याप्त पानी की सप्लाई की जा रही है।

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक
डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें
संवाददाता भी नियुक्त करना है
प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320
प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर जांच दल ने की कार्यवाही

बरखेड़ा में दो फर्मों में अवैध रूप से भंडारित 846 क्विंटल धान जब्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। गोदामों में अवैध रूप से भंडारित धान के भौतिक सत्यापन करने के संबंध में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा दिये गये निर्देश के पालन में शुक्रवार को जांच दल द्वारा स्लीमनाबाद तहसील के ग्राम बरखेड़ा में दो कृषि फर्मों की जांच कर कुल 846 क्विंटल धान जब्त की गई। साथ ही राइस मिल का भी निरीक्षण किया गया। संयुक्त जांच दल के निरीक्षण के दौरान जय हनुमान राइस मिल में 608 क्विंटल धान भंडारित पाई गई। इसमें से 570 क्विंटल धान मंडी स्टॉक में दर्ज थी, जिसका मंडी शुल्क चुकाया जा चुका था। मौके पर पाई गई पूरी 608 क्विंटल धान जब्त कर संचालक संतोष जायसवाल को ही सुपुर्द कर दी गई है। इसी प्रकार प्रियांशु कृषि केंद्र की भी जांच की गई। इस दौरान मौके पर 238 क्विंटल धान पाई गई। यह पूरी धान भी जब्त कर संचालक श्री राकेश जायसवाल

बिना सक्षम अधिकारी के अनुमति

के राईस मिलर्स को धान निकासी नहीं करने की दी हिदायत

को सुपुर्द कर दी गई है। इसके पूर्व गुरूवार को संयुक्त जांच दल द्वारा कृषि उपज मंडी कटनी स्थित राधा ट्रेडिंग कंपनी की जांच की गई। जांच के दौरान 260 क्विंटल धान भंडारित पाई गई। फर्म के द्वारा धान की ट्रेडिंग का कार्य किया जाता है। इसके अलावा माधवनगर स्थित नटराज फूड प्रोडक्ट व नटराज फूड प्रोडक्ट यूनिट 2 तथा लमतरा स्थित श्रीनिवासन राईस मिल का निरीक्षण किया गया। तीनों फर्मों में लगभग 21000 क्विंटल धान का भंडारण पाया गया। निरीक्षण में पाया गया कि राईस मिलर्स द्वारा धान क्रय कर इसे चावल में परिवर्तित कर ट्रेडिंग की जाती है। मिलर्स को बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के धान की निकासी नहीं करने की हिदायत दी गई। जांच दल में जिला आपूर्ति अधिकारी सज्जन सिंह परिहार, सहायक आपूर्ति अधिकारी पियूष शुक्ला, नायब तहसीलदार हर्षवर्धन रामटेके व मंडी सचिव के के नरगावे शामिल रहे।

सच्चा मित्र वही है जो अपने मित्र को अपने से नीचा रखने के बजाय समकक्ष बनाने का प्रयास करें: हितेंद्र शास्त्री

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। नगर के मरझोर रोड स्थित लॉन में जारी श्रीमद् भागवत कथा का समापन करते हुए कई कथाओं का भक्तों को कथा वाचक पं. हितेंद्र शास्त्री ने श्रवण कराया। कथा समापन के दौरान उन्होंने भक्तों को भागवत को अपने जीवन में उतारने की बात कही, जिससे सभी लोग धर्म की ओर अग्रसर हो। कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित्र के माध्यम से भक्तों के सामने दोस्ती की मिसाल पेश की और समाज में समानता का संदेश दिया। साथ ही भक्तों को बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है तो वहीं इसे कराने वाले भी पुण्य के भागी होते हैं। सच्चा मित्र वही है जो अपने मित्र को विपत्ति में साथ दें। उसे अपने से नीचा रखने के बजाय समकक्ष बनाने का प्रयास करें। उन्होंने आगे कहा कि मित्रता का अर्थ स्वार्थ नहीं बल्कि सहयोग और समर्पण होना चाहिए। श्रीमद् भागवत का रसपान पाने के लिए भक्तों का सैलाब कथा स्थल पर उमड़ पड़ा था। वहीं कथा के बीच बीच में श्रद्धालुओं ने नृत्य कर भक्तिभाव प्रकट किया।

भोपाल में तीन दिवसीय आईएएस सर्विस मीट का शुभारंभ

सीएम यादव बोले- क्षत्र चेहरे देखकर समझ जाते हैं कि सामने वाले क्या कहने वाले हैं, इसे कैसे चलाना है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आईएएस अफसरों की सर्विस मीट में आईएएस अफसरों की कार्यशैली पर तंज कसते हुए कहा कि आपको लोग तो चेहरे देख कर समझ जाते हों कि क्या कहने वाले है? इसे कैसे चलाना है। इसके बाद आपके मुंह से ए प्लान, बी प्लान, सी प्लान, डी प्लान ऐसे सुनाई देते हैं कि कोई न कोई तो मान ही लिया जाएगा। भगवान करे ऐसे ही प्लान आते रहें और सही साबित होते रहें। भोपाल में शुक्रवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आईएएस सर्विस मीट का शुभारंभ के मौके पर ये बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विलंब से पहुंचने और शीघ्र प्रस्थान करने के लिए भी क्षमा मांगी। इस आयोजन में प्रदेशभर से आईएएस अधिकारी पहुंचे हैं। आज से शुरू हुआ यह तीन दिवसीय आईएएस सर्विस मीट सभी अधिकारियों की सहभागिता के साथ आयोजित किया जा रहा है। इस मीट में सहायक कलेक्टर से लेकर मुख्य सचिव तक, साथ ही पूर्व आईएएस अधिकारी और उनके परिवारजन भी शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान अधिकारी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से हटकर अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। अरेरा क्लब में दिनभर और देर रात तक विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सीएम बोले- लोकतंत्र को सफल बनाने अफसरों की बड़ी भूमिका : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनता के हित में लिए गए निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन आईएएस अधिकारी ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में करते हैं। अपने आप को दांव पर लगाकर कार्य करने की क्षमता अगर किसी में है, तो वह आईएएस अफसरों में है। उन्होंने कहा कि राजशाही के दौर के बाद आजादी के समय यह आशंका थी कि लोकतंत्र सफल हो पाएगा या नहीं, लेकिन आईएएस अधिकारियों ने लोकतंत्र को सफल बनाकर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने न केवल प्रदेश में, बल्कि पूरे देश में अपने कार्यों के दम पर अलग पहचान बनाई है। शासन-प्रशासन में लगातार नवाचार हो रहे हैं। सिस्टम में कई बार बातें इधर-उधर होती हैं, लेकिन अंततः जनता के हित में अच्छे काम और सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अच्छे विचार और नए आइडिया लेकर आएं और उन्हें प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करें, क्योंकि सही बात सही समय पर हो जाए तो उसके काम का महत्व बढ़ जाता है।

डॉ. यादव ने आईएएस अफसरों से कहा कि आपको लोग तो चेहरे देख कर समझ जाते हों कि क्या कहने वाले है? इसे कैसे चलाना है। इसके बाद आपके मुंह से ए प्लान, बी प्लान, सी प्लान, डी प्लान सुनाई देते रहते हैं और ये योजनाएं आती रहनी चाहिए। आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि अपनी सेवा के माध्यम से बड़े से बड़ा कार्य कर सकते हैं। निरंतर चुनौतियों का सामना करते-करते आप स्वयं को इस तरह ढाल लेते हैं कि नेताओं के आने-जाने का आप पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

भारत की संवैधानिक व्यवस्था संघीय प्रणाली : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश की आजादी के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों से एक सशक्त प्रशासनिक व्यवस्था का निर्माण हो सका। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भूमिका के कारण ही आज भारत दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा दिखाई देता है। प्रशासनिक अधिकारी हर चुनौती का सामना करते हुए देश को निरंतर आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। अनेक विविधताओं के बावजूद यह सेवा तंत्र आज देश में पूरी मजबूती के साथ कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि राजशाही से प्रजातंत्र की ओर देश को ले जाने में प्रशासनिक अधिकारियों की अहम भूमिका रही है। भारत की संवैधानिक व्यवस्था संघीय प्रणाली पर आधारित है और इसमें प्रदेश के अधिकारियों ने केंद्र और राज्यों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर राज्य की सकारात्मक छवि बनाई है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश एक प्रयोगशाला की तरह है, जहां विभिन्न क्षेत्रों में लगातार नवाचार हुए हैं और इन्हीं नवाचारों का आज देश-दुनिया में अनुसरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभावी नेतृत्व व मार्गदर्शन में आज यह स्वप्न साकार होता दिखाई दे रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों के दीर्घकालिक अनुभव का निरंतर लाभ लिया जा रहा है। प्रदेश के सभी प्रशासनिक अधिकारी सम्मान के पात्र हैं। राज्य सरकार के साथ मिलकर वे एक परिवार की तरह हर कठिनाई से निकलने का रास्ता बनाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि प्रदेश के विकास के लिए सभी को शत-प्रतिशत योगदान देने का संकल्प लेना होगा। वहीं इस अवसर पर आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनु श्रीवास्तव ने कहा कि सर्विस मीट के माध्यम से सीनियर और जूनियर अधिकारी एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझते हैं। सकारात्मक सोच के चलते पिछले कई वर्षों से इस तरह के सफल आयोजन किए जा रहे हैं।

भोपाल में मैरिज सर्टिफिकेट अब ऑनलाइन मिलेंगे

रजिस्ट्रेशन के लिए घर बैठे ही आवेदन कर सकेंगे; निगम की नई पहल

भोपाल। भोपाल में मैरिज सर्टिफिकेट अब ऑनलाइन ही मिलेंगे। लोग घर बैठे ही रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। निगम ने यह पहल की है। इस संबंध में निगम कमिश्नर संस्कृति जैन गुरुवार को बैठक भी कर चुकी हैं। कमिश्नर जैन ने अफसरों से कहा है कि लोगों को विवाह पंजीयन की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी कार्रवाई जल्दी पूरी करें।

इस तरह होगी पूरी प्रक्रिया : कमिश्नर जैन ने बताया मैरिज सर्टिफिकेट ऑनलाइन ही जारी किए जाएंगे। इसके लिए निगम की वेबसाइट पर जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। फिर वार्ड में पदस्थ निगम कर्मचारी अपलोडेड दस्तावेजों के आधार पर स्थल पर जाकर पंचनामा आदि बनाएंगे और दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे। इसके बाद डिजिटल मैरिज सर्टिफिकेट संबंधित व्यक्ति डाउनलोड कर सकेंगे। इस प्रक्रिया से नागरिकों को मैरिज सर्टिफिकेट के लिए निगम कार्यालय नहीं आना पड़ेगा। घर बैठे ही मैरिज सर्टिफिकेट मिल जाएगा।

आवेदन से सर्टिफिकेट तक की प्रक्रिया :
निगम की वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर सिटीजन सर्विसेज के विकल्प पर क्लिक करें। यहां मैरिज रजिस्ट्रेशन फॉर्म पर जानकारी और दस्तावेज स्कैन करके अपलोड करें। दस्तावेज अपलोड होते ही 1100 रुपए ऑनलाइन पेमेंट करना होगा।

यह दस्तावेज लगेंगे : दूल्हा-दुल्हन, माता-पिता और गवाहों के आधार कार्ड। शादी का कार्ड और जहां शादी हुई, वहां का प्रमाण पत्र।

मैरिज शाखा के अधिकारी केवल दूल्हा-दुल्हन को ऑफिस बुलाएंगे। जोनल अधिकारी और एएचओ आवेदक के घर जाकर भौतिक सत्यापन करेंगे और प्रमाणपत्र देंगे।

बैतूल नाबालिग हत्या केस में पुलिस का सख्त एक्शन

मुख्य आरोपी के पिता और साथी का कान पकड़वाकर शहर में जुलूस निकाला

बैतूल। बैतूल में नाबालिग विवेक मरकाम की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी अन्नू ठाकुर, उसके पिता कृपाल ठाकुर और साथी जुनैद का जुलूस निकाला। तीनों को अन्नू के घर चुन्नीढाना से गंज के व्यस्त इलाके और कोठीबाजार के मुख्य मार्गों पर कान पकड़कर घुमाया गया। इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा और राहगीरों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस सनसनीखेज हत्या प्रकरण में पुलिस ने अब तक अन्नू ठाकुर, पिता कृपाल ठाकुर, जुनैद और दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन आरोपी अब भी फरार हैं। सभी गिरफ्तार आरोपियों को आज न्यायालय में पेश किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर 17 वर्षीय विवेक मरकाम की चुन्नीढाना क्षेत्र में बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। आरोपी उसे सागौन बाबा दरबार से अगवा कर वहां ले गए थे। विवेक की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया था। गिरफ्तार अन्नू और जुनैद को भारत भारती क्षेत्र से पकड़ा गया, जबकि कृपाल ठाकुर को उसके घर से हिरासत में लिया गया। फरार आरोपियों में रोहित और अभिषेक ठाकुर (अन्नू के भाई) समेत तीन लोगों की तलाश जारी है। कुल सात लोगों के खिलाफ नामजद ऋक्र दर्ज की गई है। **जांच में सामने आया- पुराना विवाद था :** जांच में सामने आया है कि मृतक विवेक और अन्नू ठाकुर के बीच पुराना विवाद था। भग्गूढाना में गाड़ी टकराने के विवाद के बाद विवेक ने अन्नू पर चाकू से हमला किया था। बाद में अन्नू ने विवेक के घर जाकर भी हमला किया था, लेकिन तब मामला दर्ज नहीं हुआ। दोनों ही जमानत पर थे। पुलिस ने बताया कि प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने माना कि विवेक बार-बार उन्हें धमका रहा था, इसी रंजिश में उसने वारदात को अंजाम दिया।

बैतूल में 22 वर्षीय युवक की जहर खाने से मौत

बैतूल। बैतूल में 22 वर्षीय एक युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वह जिला मुख्यालय के अंबेडकर वार्ड का रहने वाला था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शव की पहचान तारेंद्र पिता रामपाल झारे (22) के रूप में हुई है, जो अंबेडकर वार्ड का निवासी था। जानकारी के अनुसार, तारेंद्र एक मेडिकल स्टोर पर काम करता था। गुरुवार को तारेंद्र घर पर अकेला था, जबकि उसकी मां और छोटा भाई किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जब परिजन घर लौटे, तो तारेंद्र को अचेत अवस्था में पाया।

शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक आज

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री श्री मनोहर लाल भी रहेंगे मौजूद

भोपाल। केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक (उत्तरी एवं मध्य राज्यों) 20 दिसंबर शनिवार प्रातः 11 बजे कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, भोपाल में आयोजित हो रही है। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रमुख शहरी विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच सहयोग और समन्वय को सुदृढ़ करना है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि यह बैठक राज्यों को योजना-वार प्रगति प्रस्तुत करने, क्रियान्वयन से जुड़ी समस्याओं को साझा करने, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान तथा मंत्रालय से नीतिगत एवं रणनीतिक मार्गदर्शन प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। क्षेत्रीय बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल और प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति रहेगी। इसके साथ ही छत्तीसगढ़, दिल्ली, राजस्थान एवं उत्तरप्रदेश के शहरी विकास मंत्री एवं राज्यमंत्री, भारत सरकार एवं राज्यो के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण स्वच्छ सर्वेक्षण वर्ष 2025-26 के लिए कार्य-दिशा पुस्तिका का विमोचन होगा। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि यह कार्य-दिशा पुस्तिका स्वच्छता, स्थायित्व तथा नागरिक-केंद्रित शहरी प्रशासन को और अधिक सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बैठक में पाँच सत्रों में महत्वपूर्ण विषयों पर होगी चर्चा

बैठक के दौरान पाँच सत्रों में शहरी विकास से जुड़े प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इन सत्रों के माध्यम से केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा और योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही व्यवहारिक चुनौतियों का समाधान निकाला जा सकेगा। अमृत योजना के अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता तथा समयबद्ध पूर्णता से संबंधित विषयों पर विचार किया जाएगा। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर भी मंथन होगा। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत डंप स्थलों के वैज्ञानिक प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट निपटान तथा स्वच्छता से जुड़ी चुनौतियों पर मंथन होगा। स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत निमार्णाधीन एवं स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा लाभार्थियों को समय पर आवास उपलब्ध कराने में आ रही समस्याओं के समाधान पर विचार किया जाएगा। अंगीकार अभियान की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों एवं चुनौतियों की समीक्षा करते हुए अभियान को अधिक प्रभावी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे। सत्र में शहरी परिवहन व्यवस्था के अंतर्गत नगर बस सेवाओं, भूमिगत रेल प्रणाली तथा पैदल मार्गों से संबंधित आवागमन व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी।

रायसेन जिला अस्पताल में कॉकरोच मामले के बाद सुधार अभियान

कलेक्टर निरीक्षण पर पहुंचे, सफाई बेहतर मिली, डॉक्टरों की कमी पर भी चर्चा

रायसेन। रायसेन जिला अस्पताल में बीते दिनों कॉकरोच और कीड़े मिलने के बाद कई व्यवस्थाओं में बदलाव और सुधार किया गया है। खासकर सफाई व्यवस्था को लेकर अभियान चलाया गया। शुक्रवार को कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने जिला अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर मरीजों से संवाद किया और उनका फीडबैक लिया। कलेक्टर ने मरीजों से जिला अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था और डॉक्टरों की उपस्थिति के विषय में जानकारी ली। इसके अलावा, कलेक्टर डॉक्टरों के चैंबर में भी पहुंचे, जहां कुछ डॉक्टर उपस्थित मिले तो कुछ राउंड पर होने के कारण मौजूद नहीं थे। बता दें कि जिला अस्पताल में बीते दिनों बाल कल्याण समिति द्वारा निरीक्षण किया गया था। इस दौरान प्रसूता सहित अन्य वार्डों में कॉकरोच और कीड़े मिले थे। मामला सामने आने के बाद कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने एक जांच दल का गठन किया था। यह जांच दल दिन में तीन बार जिला अस्पताल पहुंचकर निरीक्षण सहित व्यवस्थाओं के विषय में जांच-पड़ताल करता है। इस जांच दल में डिप्टी कलेक्टर मनोज उपाध्याय, एसडीएम मनीष शर्मा, सीएमएचओ हरिनारायण मंड्रे और सीएमओ सुरेखा जाटव शामिल हैं। कलेक्टर के जाने के बाद सीएमएचओ हरिनारायण मंड्रे ने भी अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने वार्डों में पहुंचकर साफ-सफाई व्यवस्था सहित बेडशीट और अन्य व्यवस्थाएं देखीं। उन्हें यहां काफी व्यवस्थाएं बदली हुई और पहले से बेहतर मिलीं। उन्होंने सुपरवाइजरों को और अच्छे से जिला अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

सीएमएचओ ने जिला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी पर भी बात की। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की कमी के विषय में वरिष्ठ कार्यालय को मांग भेजी गई है। अभी वरिष्ठ कार्यालय से रायसेन जिले के लिए दो डॉक्टरों को भेजा गया है, जो बेगमगंज, जिला मुख्यालय और सांची के सरकारी अस्पतालों में अपनी सेवाएं देंगे। इसके अतिरिक्त, सीएमएचओ ने जिला अस्पताल में बंद पड़ी लिफ्ट के विषय में पीआईयू विभाग के अधिकारियों को फोन पर अवगत कराकर उसे जल्द ही ठीक करने के निर्देश दिए।

श्रमिकों के कल्याण के लिये मध्यप्रदेश में दो वर्षों में हुए उल्लेखनीय कार्य

भोपाल। विकास के मार्ग पर तेजी से बढ़ रहे मध्यप्रदेश में डॉ मोहन यादव सरकार की श्रम और श्रमिकों से संबंधित नीतियों के कारण श्रमिकों के हित में अनेक निर्णय लिए गए है। वहीं तुलनात्मक रूप से राज्य में श्रम उपलब्धता की बेहतर स्थिति के कारण राज्य के औद्योगिक विकास में भी मदद मिल रही है। इस कार्य में मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल ने भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। किसी भी राज्य में बेहतर औद्योगिक विकास के पीछे श्रमिकों की उपलब्धता भी महत्वपूर्ण घटक है। इसी को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश में श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखकर कदम उठाए जा रहे हैं।

म.प्र. श्रम कल्याण मंडल की विगत दो वर्ष की उपलब्धियों : मंडल द्वारा म.प्र. श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1982 के प्रावधानों के अंतर्गत मंडल को श्रमिकों एवं नियोजकों से प्राप्त होने वाले अभिदाय को ऑनलाइन प्राप्त करने के लिये एम पी ऑनलाइन के माध्यम से मंडल का पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से 97 प्रतिशत से अधिक अभिदाय राशि मंडल को ऑनलाइन प्राप्त हो रही है। पोर्टल में मंडल द्वारा संचालित श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन पत्रों का प्रारूप दिया गया है। सभी नियोजकों के लिये पोर्टल उपयोगी है। मंडल को विगत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 13 हजार 238 संस्थान स्थापनाओं में कार्यरत लगभग 8 लाख 93 हजार 193 श्रमिकों का अभिदाय 12 करोड़ 35 लाख 50 हजार रुपए प्राप्त हुआ है। यह विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में 1 करोड़ 30 लाख रुपए अधिक है।

मंडल द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में 11 हजार 359 हितग्राहियों को 6 करोड़ 29 लाख रुपए से अधिक हितलाभ राशि वितरित की गई थी। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में 15 हजार 405 हितग्राहियों को 8 करोड़ 24 लाख रुपए से अधिक की हितलाभ राशि वितरित की गई। यह विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में 1 करोड़ 95 लाख रुपए अधिक है।

मंडल की 60वीं बैठक में लिये गये निर्णय एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा श्रम विभाग की समीक्षा बैठक में श्रम मंत्री एवं मुख्य सचिव महोदय के समक्ष प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में नवीन सर्व सुविधा युक्त आदर्श श्रम कल्याण केन्द्र स्थापित किये जाने के निर्देश दिये गये थे। इसके परिपालन में भोपाल, ग्वालियर, रीवा, सतना, पीथमपुर जबलपुर एवं उज्जैन में आदर्श श्रम कल्याण केन्द्र विकसित करने के लिये शासकीय भूमि आवंटन के लिये सर्व संबंधित औद्योगिक केन्द्र विकास निगम के कार्यकारी संचालकों को पत्र प्रेषित किये गये हैं।मंडल की 61वीं बोर्ड बैठक में अंतिम संस्कार सहायता योजना एवं अनुग्रह सहायता योजना का विस्तार करते हुए पात्र श्रमिक के परिवार में पति, पत्नी, पुत्र, पुत्री तथा पात्र श्रमिक के माता पिता के अंतिम संस्कार के लिये एवं अनुग्रह सहायता का लाभ प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। मंडल की 61वीं बोर्ड बैठक में पात्र दिव्यांग श्रमिकों को इलेक्ट्रिक ट्रायसायकल एवं उपकरण प्रदान योजना प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया था। उक्त योजना लोक सेवा गारंटी स्कीम के अंतर्गत अधिसूचित की गई है। योजना लागू करने के संबंध में कार्यवाही निरंतरित है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र दिव्यांग श्रमिकों को 50 हजार रुपए राशि तक इलेक्ट्रिक ट्रायसायकल अथवा उपकरण प्रदान किये जायेंगे।श्रम मंत्री द्वारा सभी संभागों में श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिताए आयोजित करने के निर्देशों के परिपालन में इंदौर, भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा, उज्जैन, जबलपुर, शहडोल, ग्वालियर चंबल तथा सागर संभाग में श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा चुका है। इनमें प्रदेश के सभी संभागों में समूह खेलों में विजेता, उपविजेता तथा एथेलेटिक्स में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 1005 श्रमिक खिलाडियों ने पुरस्कार प्राप्त किये।मंडल द्वारा प्रदेश में संचालित 27 श्रम कल्याण केन्द्रों को कम्प्यूटर सेट एवं आवश्यक सामग्री प्रदान की गई है। प्रदेश के 17 सिलाई केन्द्रों में विगत तीन वर्षों में सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली श्रमिक परिवार की 418 महिलाओं को म.प्र. राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड भोपाल के माध्यम से दक्षता मूल्यांकन कर प्रमाण पत्र प्रदान किये गये है।

म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों में 100 बिस्तर क्षमता के श्रमिक विश्राम गृह निर्माण का निर्णय लिया गया है। उज्जैन, सागर, सिंगरौली, बालाघाट एवं शहडोल जिलों में एक एक नवीन श्रमोदय आवासीय विद्यालय का निर्माण किए जाने का निर्णय लिया गया है। नरसिंहपुर जिले में श्रमोदय आदर्श आईटीआई के निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है।

केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं का क्रियान्वयन भी विभाग की ओर से किया जा रहा है। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के तहत 13 लाख 85 हजार 963 निर्माण श्रमिकों एवं 38 लाख 52 हजार 307 परिवार सदस्यों का आयुष्मान कार्ड जारी किया गया है। इस योजना के तहत अब तक 3 लाख से अधिक निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों के सदस्यों को 847 करोड़ 33 लाख की चिकित्सा सहायता दी गयी।

रादुविवि में एनएसयूआई ने उड़ाए तोते

कार्यपरिषद की बैठक में पहुंचे थे कार्यकर्ता, प्रदर्शन किया; आरोप-कुलपति नहीं कर रहे नियमों का पालन

जबलपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु के खिलाफ एक बार फिर अनोखा प्रदर्शन किया। कार्यपरिषद की बैठक में विश्वविद्यालय पहुंचे कार्यकताओं ने तोते उड़ाकर प्रतीकात्मक विरोध किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी हुई। एनएसयूआई का आरोप है कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में व्याप्त प्रशासनिक निरंकुशता, शैक्षणिक अव्यवस्थाओं और छात्र-विरोधी नीतियों से छात्रों का अहित हो रहा है और इसके लिए कुलगुरु ही जिम्मेदार हैं। शुक्रवार को विश्वविद्यालय पहुंचे एनएसयूआई के कार्यकर्ता कार्यपरिषद की बैठक में जबरन घुसने का प्रयास कर रहे थे, जिन्हें मौके पर मौजूद पुलिस ने बलपूर्वक रोका, इससे नाराज एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष सचिन रजक ने कार्यपरिषद बैठक के दौरान तोतों को पिंजरे से निकालकर उड़ा दिए। सचिन रजक का कहना है कि वर्तमान कुलगुरु की कार्यशैली के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया है। यह प्रतीकात्मक कदम विश्वविद्यालय को ह्लअयोग्य कुलगुरु के चंगुल से मुक्त करानेह्व के संकल्प के रूप में उठाया गया है।

एनएसयूआई का आरोप है कि प्रशासन ने मुख्य भवन में ताला लगाकर छात्रों और कार्यकताओं को भीतर प्रवेश से रोका, जो सही नहीं है। छात्रों ने इसे लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास बताते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। नेताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार छात्र सुविधाओं में कटौती कर रहा है, जबकि अपने स्वयं के व्यय और प्रशासनिक खर्चों में निरंतर वृद्धि की जा रही है। वर्तमान कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा के कार्यकाल में विश्वविद्यालय की कार्यशैली निरंकुश हो गई है, जिसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता, छात्र हितों और संस्थान की प्रतिष्ठा पर पड़ा है।

संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने विधानसभा में भ्रामक जानकारी प्रस्तुत की। तकनीकी पाठ्यक्रमों से संबंधित प्रश्न के उत्तर में संसाधनों की उपलब्धता का दावा किया गया, जबकि जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। छात्रों के अनुसार न तो कंप्यूटर, न सॉफ्टवेयर और न ही प्रायोगिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे बीसीए, एमसीए और बीटेक जैसे पाठ्यक्रम केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

एनएसयूआई ने अक्छ्ळए और क्छअफ जैसे नियामक निकायों के मानकों के खुले उल्लंघन का भी आरोप लगाया। संगठन के अनुसार बिना आवश्यक अधोसंरचना, प्रयोगशालाओं और मान्यता के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जो छात्रों के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। कृषि संकाय, तकनीकी विभागों और पत्रकारिता विभाग की बदहाल स्थिति को प्रशासनिक विफलता का प्रतीक बताया गया। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक संवर्ग की कमी है। स्वीकृत पदों की तुलना में मात्र गिने-चुने नियमित प्राध्यापक कार्यरत हैं, जिससे शिक्षण, शोध और अकादमिक मार्गदर्शन की व्यवस्था चरमरा गई है। विश्वविद्यालय की प्रशासनिक अक्षमता का असर अब परीक्षा एवं परिणाम प्रणाली पर भी साफ दिखाई दे रहा है। सत्र दर सत्र परीक्षाएं समय पर आयोजित नहीं हो पा रही हैं और जो परीक्षाएं हो भी जाती हैं, उनके परिणाम महीनों तक लंबित रहते हैं। परिणामों में हो रही देरी के कारण छात्रों का अगला शैक्षणिक सत्र, प्रवेश, प्रतियोगी परीक्षाएं और रोजगार के अवसर प्रभावित हो रहे हैं। यह स्थिति विश्वविद्यालय में कार्यकुशलता और जवाबदेही के घोर अभाव को दशार्ती है, जिससे छात्रों में गहरा असंतोष और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कुलगुरु और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए और मांग की कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को जल्द से जल्द इस कथित अयोग्य नेतृत्व से मुक्त किया जाए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि छात्र हितों की अनदेखी और प्रशासनिक मनमानी पर शीघ्र रोक नहीं लगी, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

श्रम जीवन का अभिन्न है हिस्सा : श्री पटेल, उत्तम श्रमिक पुरस्कार के तहत 15 श्रमिक पुरस्कृत

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस श्रम विभाग अंतर्गत मप्र श्रम कल्याण मंडल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता के कार्यक्रम का शुभारंभ स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, मंडल कल्याण आयुक्त बसंत कुर्रे, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामसनेही पाठक ने की। कार्यक्रम में अतिथियों ने उत्तम श्रमिक पुरस्कार के अंतर्गत 15 श्रमिकों को और साहित्य पुरस्कार के अंतर्गत 10 श्रमिकों को राशि, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। इसके पश्चात संभागों से आए खिलाड़ियों की रैली निकाली गई, जो शहर विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस स्टेडियम ग्राउंड पहुंची।

श्रम जीवन का है हिस्सा : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि श्रम जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जिस क्षेत्र में श्रम की कमी होती है, वह क्षेत्र पीछे चला जाता है। समाज की उन्नति में खेलों का बहुत महत्व है। इसी उद्देश्य से नरसिंहपुर में नियमित रूप से खेलकूद प्रतियोघ्गिताओं का आयोजन किया जाता है। देश और प्रदेश की जनसंख्या में एक बड़ा हिस्सा असंगठित श्रमिकों का है। प्रदेश में 42 प्रकार के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं संचालित की जा रही है। इस दौरान उन्होंने सभी से नशे से दूर रहने की बात कही। मंडल कल्याण आयुक्त श्री बसंत कुर्रे ने राज्य स्तरीय खेल, श्रम मंडल का गठन और श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी।

श्रमिक अनुशासन तथा स्वस्थ रहें : कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंडल के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन होते रहें, ताकि श्रमिक अनुशासन के साथ ही अपने आप को स्वस्थ रख सकें एवं उनमें टीम भावना का विकास हो। कार्यक्रम को रामस्नेही पाठक ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संजय चैबे ने किया।

उल्लेखनीय है कि स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों में अक्टूबर व नवम्बर माह में सम्पन्न हुई श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता के विजेता एवं उप विजेता श्रमिक खिलाड़ी और व्यक्तिगत खेलों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले एक हजार से अधिक श्रमिकों ने भाग लिया, जिनमें 200 से अधिक महिलाएं भी शामिल हैं।

इनकी रही उपस्थिति : इस प्रतियोगिता में 105 से अधिक औद्योगिक इकाईयों एवं स्थापनाओं के श्रमिकों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ महिलाओं की 100 मीटर दौड़ से किया गया। इसके बाद कबड्डी एवं व्हालीबॉल प्रतियोगिताएं प्रारंभ हुई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, सहायक कल्याण आयुक्त आरपी मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, सुनील कोठारी, राधेश्याम नेमा, मंडल सदस्य, श्रम अधिकारी सुश्री दामिनी सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सांसद श्री कुलस्ते आज प्रतियोगिता में होंगे शामिल

सभापति, एससी एसटी कल्याण समिति लोकसभा एवं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते शुक्रवार 19 दिसम्बर को स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर आएंगे और यहां खेल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। जारी प्रवास कार्यक्रम के तहत सांसद श्री कुलस्ते शुक्रवार 19 दिसम्बर को सायं 5.10 बजे जबलपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान कर सायं 6.30 बजे स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर आएंगे। आप यहां खेल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात सायं 7.30 बजे स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

कलेक्टर ने की जल जीवन मिशन की समीक्षा

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में जिले में जल जीवन मिशन कार्यक्रम अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, अधीक्षण यंत्री म प्र विद्युत मंडल, महाप्रबंधक जल निगम जबलपुर तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग व अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देशित किया कि प्रगतिरत समस्त योजनाओं के कार्य शासन द्वारा निर्धारित की गई समय सीमा में पूर्ण कराया जाए। मैकेनिकल संकाय के 5 ग्रामों में ठेकेदार के द्वारा कार्य न करने के कारण ठेकेदार को तत्काल अनुबंध निरस्त कर पुन: निविदा आमंत्रण करने की कार्यवाही की जावे। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले बरमान मेले में पेयजल व्यवस्था का कार्य 10 जनवरी तक पूर्ण कर लिया जावे। बैठक में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बताया कि सिविल संकाय की 797 योजनाएं, मैकेनिकल संकाय की 93 योजनाएं एवं मप्र जल निगम की 55 योजनाएं स्वीकृत हैं, जिसमें से वर्तमान में सिविल संकाय की 621 योजनाएं और मैकेनिकल संकाय की 77 योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा के विराट इको क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं तथा शासकीय सर्वोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरवारी की कदम इको क्लब के संयुक्त तत्वाधान में छात्रा-छात्राओं को प्रकृति भ्रमण एवं पर्यावरणी जागरूकता के संबंध में टोन घाट का भ्रमण कराया गया। जिसके तहत ऐतिहासिक रानीताल एवं राजयोग आश्रम का भ्रमण किया गया साथ ही छात्रों द्वारा टोन घाट की प्राकृतिक सौंदर्य का लाभ उठाया गया, जहां पर विभिन्न प्रजातियों के पेड़-पौधों वन्यजीवों एवं जलप्रपात को निकटता से अध्ययन किया। इस दौरान जे.डी.कार्यालय जबलपुर से पी.पी. सिंह साहब उपसंचालक एवं श्री खरे सहायक संचालक तथा श्रीमती साहू एवं काशिव का बच्चों को उद्बोधन व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।कार्यक्रम के दौरान सूरवारी एवं बरहटा समस्त स्टाफ के साथ-साथ जे .डी. कार्यालय का स्टाफ भी सहभागी रहा। अंत में सभी ने वनभोज का आनंद लिया एवं कार्यक्रम अत्यंत रोचक एवं सराहनीय होने के साथ-साथ बच्चों के लिए प्रेरणास्पद रहा।

छात्र- छात्राओं ने किया महाविद्यालय का भ्रमण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। उच्च शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार कॉलेज चलो अभियान के तहत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के निर्देशन एवं कार्यक्रम प्रभारी प्राध्यापक दिनेश कुमार दुबे, सह-प्रभारी डॉ नमिता साहू, सदस्य डॉ गणेश सोनी, सूश्री इंदु सिंह के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके प्रथम चरण में महाविद्यालय की कॉलेज चलो समिति के द्वारा जिले के समस्त शासकीय व निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भ्रमण कर बारहवीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रवेश सम्बन्धी विविध जानकारियां प्रदान की गई। द्वितीय चरण में शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें शासकीय सीएम राइज विद्यालय के शिक्षकों योगेश गुप्ता, महेंद्र सिंह लोधी, मोनिका मेहरा, माधुरी गर्ग के सानिध्य में बारहवीं कक्षा में अध्ययनरत 50 छात्राओं द्वारा महाविद्यालय का भ्रमण किया गया। समिति के द्वारा छात्राओं को पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब का भ्रमण कराया गया और महाविद्यालय में चलने वाली विभिन्न कंप्यूटर कक्षाओं से अवगत करवाया गया। साथ ही छात्राओं को विज्ञान संकाय की कक्षाओं, रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, कला, जंतु विज्ञान की प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण करवाया गया। इसके साथ ही छात्र छात्राओं को खेल विभाग से संबंधित गतिविधियों से भी अवगत करवाया गया। पुस्तकालय का भी छात्राओं द्वारा अवलोकन किया गया।

सात दिवसीय क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर का समापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा सात दिवसीय महिला / पुरुष क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 12 दिसंबर 2025 से 18 दिसंबर 2025 तक किया गया, जिसका शुभारंभ दिनांक 12 दिसंबर को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह जी द्वारा किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं को क्रिकेट की बारीकियां सिखाई गई। जिसमें फ्रंट फुट, डिफेंस, बैक फुट डिफेंस, ऑन ड्राइव, ऑफ ड्राइव, ऑफ स्पिन, लेग स्पिन, फास्ट बोलिंग, कैचिंग, ग्राउंड फील्डिंग इत्यादि। शिविर समापन में एक अभ्यास मैच का आयोजन किया गया, जिसमें पी.जी. कॉलेज नरसिंहपुर महिला टीम का प्रदर्शन काफी सराहनीय रहा ।

खेल/व्यापार

डेवोन कॉनवे का दोहरा शतक, कीवी टीम को बढ़त, वेस्ट इंडीज की भी सधी शुरूआत

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने कप्तान टॉम लैथम के शतक, डेवोन कॉनवे के दूसरे टेस्ट दोहरे शतक और निचले क्रम में रचिन रविंद्र की तूफानी 72 रनों की बदौलत बोर्ड पर 575/8 का विशाल स्कोर बनाकर पारी घोषित कर दी। वहीं, वेस्टइंडीज ने भी माउंट माउंगानुई में खेले जा रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन के अंत में पहले विकेट के लिए अटूट शतकीय साझेदारी करके शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे दिन के अंत में वेस्टइंडीज का स्कोर 110/0 था, जिसमें जॉन कैंपबेल (45*) और ब्रैंडन किंग (55*) नाबाद रहे। न्यूजीलैंड 465 रनों से पीछे है।

दूसरे दिन की शुरूआत न्यूजीलैंड ने 334/1 के स्कोर से की, जिसमें कॉनवे (178*) और जैकब डफी (9*) नाबाद रहे। लैथम (246 गेंदों में 137 रन, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल है) और कॉनवे की सलामी जोड़ी ने 323 रनों की साझेदारी की, जो टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी कीवी जोड़ी द्वारा पहली विकेट के लिए की गई सबसे बड़ी साझेदारी है। इसने स्टीवी डेम्पस्टर और जैकी मिल्स के उस रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिसमें उन्होंने 1930 में वेलिंगटन में इंग्लैंड के खिलाफ पहले विकेट के लिए 276 रन बनाए थे। जेडेन सील्स (2/100) ने सत्र की शुरूआत में ही डफी को आउट कर दिया, जबकि कॉनवे और केन विलियमसन (31 रन, 60 गेंदों में, पांच चौकों के साथ) ने 69 रन की साझेदारी की। कॉनवे ने 316 गेंदों में 28 चौकों की मदद से टेस्ट में अपना दूसरा दोहरा शतक पूरा किया। विलियमसन, कॉनवे, डैरिल मिशेल (11) और टॉम ब्लंडेल (4) जल्दी-जल्दी आउट हो गए, जिससे न्यूजीलैंड का स्कोर 133 ओवर में 461/6 हो गया। रचिन (72* रन, 106 गेंदों में, छह चौकों और दो छक्कों के साथ) और ग्लेन फिलिप्स (29 रन, 49 गेंदों में, चार चौकों के साथ) ने न्यूजीलैंड को 143 ओवर में 500 रन के पार पहुंचाने में मदद की।

न्यूजीलैंड ने 155 ओवर में 575/8 पर अपनी पारी घोषित कर दी। वेस्ट इंडीज की ओर से निराशाजनक गेंदबाजी करते हुए जस्टिन ग्रीव्स (2/83), सील्स (2/100) और एंडरसन फिलिप (2/134) ने दो-दो विकेट लिए, जबकि कप्तान रोस्टन चेज और केमर रोच को एक-एक विकेट मिला। अंत में, कैंपबेल और किंग ने वेस्ट इंडीज को अच्छी शुरूआत दी और 9.5 ओवर में 50 रन और 19.2 ओवर में 100 रन तक पहुंचाया। वेस्ट इंडीज बल्ले से एक और शानदार प्रदर्शन करने और इस साल की शुरूआत में भारत के खिलाफ दिल्ली टेस्ट के बाद अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन की सूची में एक और उपलब्धि जोड़ने की उम्मीद करेगा।

गंभी कोच नहीं, मैनेजर हैं: कपिल देव

नई दिल्ली। भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने गौतम गंभीर के काम करने के तरीके को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच गुरुवार को कहा कि आज के समय में मुख्य कोच की भूमिका खिलाड़ियों को असल में कोचिंग देने से अधिक उनका प्रबंधन करने की है। दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट श्रृंखला में 0-2 से हार के बाद गंभीर भारत के मुख्य कोच के तौर पर आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं और खिलाड़ियों को लगातार रोटेट करने और कामचलाऊ खिलाड़ियों पर निर्भर रहने की उनकी रणनीति की आलोचना हुई है। कपिल ने कहा कि समकालीन क्रिकेट में कोच शब्द को अक्सर गलत समझा जाता है। कपिल ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स आईसीसी शताब्दी सत्र में कहा, आज वह शब्द जिसे कोच कहते हैं... कोच आज बहुत आम शब्द है। गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते। वह टीम के मैनेजर हो सकते हैं। उन्होंने कहा, जब आप कोच कहते हैं तो कोच वह होता है जिससे मैं स्कूल और कॉलेज में सीखता हूं।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरूआती कारोबार में तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच चार सत्र की गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेश में नए सिरे से वृद्धि से भी शेयर बाजारों में तेजी आई। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 448.27 अंक चढ़कर 84,930.08 अंक पर और एनएसई निफ्टी 131 अंक की बढ़त के साथ 25,946.55 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल सभी 30 कंपनियों के शेयर सकारात्मक दायरे में रहे। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, पावर ग्रिड और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर में सबसे अधिक तेजी रही। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहा। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59.68 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 595.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

नगर पालिका प्रशासन के गाठड़जोड से हरे-भरे गार्डन में सज गई हिमाचल वूलन कपड़ों की दुकान

बच्चो के खेलने की जगह पर हो रहा अतिक्रमण जिम्मेदार अंजान

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले की नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी अपने निजी स्वार्थो के चलते गांधी जी के तीन बंदर बन बैठे हुए जहा पर नियम-कानूनों को ताक पर रखकर कुछ भी किया जा सकता है! वही सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका के अधिकारी के लचीले और सुस्त रवैया के चलते नगर में रसूखदारों का मनमाना खेल चल रहा है जहां मुख्य बस स्टैंड के पीछे कलेक्ट्रेट कॉलोनी में वर्षो पुराने पार्क की जगह जो कि नगर पालिका को देखरेख के लिए दी गई थी उस पार्क में जो दृश्य देखने को मिला, उसने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जहा इन दिनों खाली मैदान और बच्चों के खेलने कूदने मनोरजन और नागरिकों के लिए हरियाली व सुकून के साथ टहलने के उद्देश्य से विकसित किया गया है पर अब नगर पालिका की कमाई का जरिया बनता नजर आ रहा है, सर्दी के मौषम में उत्तर प्रदेश से व्यापार करने आये इस पार्क में बाहर से आए हिमाचल वूलन (ऊनी) कपड़ों के व्यापारियों द्वारा अस्थायी दुकानें सजा दी गई हैं। यह पूरा मामला नगर पालिका की देखरेख में दी गई भूमि पर अतिक्रमण और नियमों की खुलेआम अनदेखी का प्रतीक बन गया है। सूत्रों

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलेक्ट्रेट कॉलोनी में स्थित पार्क की जमीन नगर पालिका को देखरेख के लिए सौंपी गई थी। इस स्थान पर बच्चों के खेलने के लिए झूले, खुला मैदान, साथ ही छोटे-छोटे पेड़ और फूल-पौधे लगाए गए थे, जो क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ा रहे थे। लेकिन अब इसी हरियाली और बच्चों के खेल मैदान पर अस्थायी दुकानों लग गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्क की जमीन पर दुकानों को अनुमति देकर बच्चों के अधिकारों और पर्यावरण दोनों के साथ खिलवाड़ किया गया है। दुकानदारों से जब बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 500 रुपये के हिसाब से दुकान लगाने की व्यवस्था की गई है। जब उनसे रसीद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि अभी किसी भी प्रकार की रसीद नहीं दी गई है और जनवरी के आखिरी में हिसाब-किताब होगा। इस जवाब ने पूरे मामले को और भी संदिग्ध बना दिया है। सवाल यह उठता है कि यह राशि आखिर किसके खाते में जायगी क्या यह रकम नगर पालिका के अधिकृत खाते में जमा हो रही है या फिर किसी अधिकारी या कर्मचारी के निजी खाते में स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस अतिक्रमण के चलते पार्क में लगे छोटे पेड़, फूल-पौधे और हरियाली को नष्ट कर दिया गया है। जो स्थान पहले बच्चों की किलकारियों और लोगों की सैर का केंद्र था, वह अब व्यापार का अड्डा बन गया है। लोगों का कहना है कि बच्चों के खेलने के लिए अब कोई सुरक्षित जगह नहीं बची है। नगर में पहले ही खुले मैदानों और पार्कों की कमी है, ऐसे में जो थोड़ी-बहुत जगह उपलब्ध थी, उस पर भी अतिक्रमण कर दिया गया। यह मामला केवल एक पार्क तक सीमित नहीं है। नगर पालिका के सुस्त रवैये के चलते पूरे मंडला नगर में अतिक्रमण की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। पार्क, फुटपाथ और खाली पड़ी शासकीय भूमि पर बेधड़क अतिक्रमण किया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन केवल दिखावटी कार्रवाई करता है। जब

मीडिया में अनियमितताओं, गंदगी और अतिक्रमण की खबरें प्रकाशित होती हैं, तब कुछ दिनों के लिए हरकत में आकर कागजों में खानापूर्ति कर ली जाती है। इसके बाद फिर वही पुराना ढर्रा शुरू हो जाता है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब से नगर पालिका मंडला में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद पर श्री गजानन नफाड़े पदस्थ हुए हैं, तब से नगर में अव्यवस्था, अवैध कॉलोनियों और अतिक्रमण में तेजी आई है। नागरिकों का आरोप है कि शिकायत करने पर उन्हें हर बार एक ही रटा रटाया जवाब मिलता हैह्लजल्द ही कार्रवाई की जाएगी ह्व लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम उठता नजर नहीं आता इस पूरे मामले को लेकर राजनीतिक स्तर पर भी आवाज उठाई गई है। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष अब्दुल कय्यूम अंसारी ने दिनांक 2 दिसंबर 2025 को जिला कलेक्टर मंडला को लिखित शिकायत सौंपकर इस मामले की जांच की मांग की है। अपनी शिकायत में उन्होंने उल्लेख किया है कि पार्क के अंदर समिति की अनुमति और बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के गर्म कपड़ों की दुकानें लगाने की सहमति दी गई है। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों और आम नागरिकों के अधिकारों पर भी सीधा हमला है। अब्दुल कय्यूम अंसारी ने मांग की है कि पार्क से तत्काल सभी अवैध दुकानों को हटाया जाए, क्षतिग्रस्त हरियाली को पुनः विकसित किया जाए और इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए यदि समय रहते इस प्रकार के अतिक्रमण पर सख्ती नहीं की गई, तो आने वाले समय में नगर के सभी पार्क और सार्वजनिक स्थल व्यापारिक गतिविधियों की भेंट चढ़ जाएंगे। इससे न केवल बच्चों और बुजुर्गों को नुकसान होगा, बल्कि शहर की पर्यावरणीय स्थिति भी और खराब हो जाएगी। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस शिकायत पर क्या रुख अपनाता है। क्या वास्तव में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होगी, या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा। फिलहाल, हरे-भरे गार्डन में सजी ऊनी कपड़ों की दुकानें नगर पालिका की कार्यशैली और प्रशासनिक जवाबदेही पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर रही।

क्या कहते है जबाबदार....

आप जो बतला रहें है जिसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है और पार्क में दुकान लगाने की कोई अनुमति नहीं दी गई है।

गजानन नगफड़े
मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंडला

जिले में हाई स्कूल मक्के नैनपुर से प्रभा साहू ने द्वितीय स्थान तो अंशु साहू ने पांचवा स्थान किया प्राप्त

विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में हाई स्कूल मक्के के विद्यार्थियों ने पाया स्थान

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। नैनपुर मैं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला मंडला द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 22 नवम्बर 2025 को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें समूचे मंडला जिले से 2524 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसका परिणाम 14 दिसंबर 2025 को मंडला के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रखा गया जिसमें जनपद पंचायत नैनपुर के खंड शिक्षा स्त्रोत एकीकृत हाई स्कूल मक्के विकासखण्ड नैनपुर की छात्रा कु.प्रभा साहू पिता श्री महेंद्र साहू ने जिले में द्वितीय स्थान एवं छात्र अंशु साहू पिता श्री नर्मदा साहू ने जिले में पाँचवा स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर छात्रा को विद्यार्थी परिषद की तरफ से तय पुरस्कार साइकिल जिले में प्रदान की गई वही पांचवां स्थान सांत्वना पुरस्कार में छात्र को प्रमाण पत्र व पुस्तक प्रदान की गई जिसका हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों विद्यार्थियों का सम्मान शासकीय हाई स्कूल मक्के में संस्था के प्राचार्य यशवंत धुर्वे द्वारा किया गया प्रातः विद्यालय लगने से पूर्व प्रार्थना समय में दोनों विद्यार्थियों को पुष्प हार पहना कर व मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया जिसमें शिक्षक उमाशंकर तिवारी, दिनेश नगपुरे, एस.आर.गोंड, शैलेश नंदागौली,जितेन्द्र साहू,पुहप लाल झरिया,वल्लभ यमुनेश्वरी, गुड़िया राजपूत, शिल्पा हरदहा, अनिता पारधी साथ सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे विद्यालय परिवार ने छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ शुभकामनाएं दी।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास न्यायालय ने जुर्माना भी लगाया

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) न्यायालय जिला मण्डला द्वारा आरोपी मंगल सिंह यादव पिता विश्राम सिंह यादव उम्र 58 वर्ष निवासी चीमाघुधी थाना मोतीनाला जिला मण्डला की धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता एससी/एसटी एक्ट एक्ट की धारा 3(2) (श) में आजीवन कारावास एवं कुल 2000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। वही अभियोजन कहानी संक्षिप्त में इस प्रकार है, अभियोजन कहानी इस प्रकरण है कि दिनांक 18.07.2024 को मनोज मांगरे थाना मोतीनाला, जिला मण्डला सहायक उपनिरीक्षक के पद पर पदस्थ था, तब उसे मर्ग की सूचना प्राप्त हुयी थी। मर्ग की सूचना प्राप्त होने पर उसके द्वारा चीमाघुधी पहुंचकर मर्ग सूचना तस्दीक की गई जो सूचना सही पाये जाने पर प्रथम दृष्टया अपराध घटित होना पाये जाने पर पर उपस्थित चरणलाल द्वारा बताया गया कि उसके पिताजी गुदरसिंह परते घर में एक छोटी सी किराना दुकान खोलकर चला रहे है, वह पिताजी के साथ रहता है, करीब 02 माह पहले वह अपने ससुराल नंदनी खुमान थाना झलमला, जिला कबीरधाम (छ.ग.) खेत में थान का रोपा लगवाने चला गया था, उसके पिताजी घर में अकेले थे। दिनांक 18.07.2024 के सुबह 06 बजे करीब उसके गांव चीमाधुंदी से पवन यादव ने मोबाइल पर सूचना देकर बताया कि तुम्हारे पिता घर पर पड़े हैं, आवाज लगाने पर उठ नहीं रहे हैं, घर के अंदर पलंग के नीचे से खून बिखरा हुआ है, तब वह मोटरसायकिल से अपने गांव चीमाधुंधी आया और घर में आकर देखा तो घर का दरवाजा खुला हुआ था, पिताजी पलंग के उपर पड़े हुये थे, उनके गले में गहरा घाव चोट है, वह मर चुके थे, जमीन में पलंग के नीचे से खून बिखरा हुआ है, तब वह मोटरसायकिल से अपने गांव चीमाधुंदी आया और घर में आकर देखा तो घर का दरवाजा खुला हुआ था, पिताजी पलंग के उपर पड़े हुये थे, उनके गले में गहरा घाव चोट है, वह मर चुके थे, जमीन में पलंग के नीचे से खून बहकर सूख गया है, तब यह गांव तरफ आकर जानकारी लिया तो सुखीराम बैगा का लड़ का सचिन बैगा ने बताया कि कल दिनांक 17.07.2024 को सुबह 08-09 बजे यह झाड़ फूक करवाने तुम्हारे पिताजी के पास गया था, उनसे झाड़ फूंक करवाने के बाद उनने कहा था कि शाम को एक बार और आ जाना करीब 03 बजे तक तुम्हारे घर गया तो घर का दरवाजा सामने से खुला हुआ था, दुकान का दरवाजा बाहर से बंद था, ताला लगा हुआ था, उसने घर की डेहरी के सामने खड़े होकर तुम्हारे पिताजी को आवाज दिया तो वह कुछ नहीं बोले, पलंग के पास से खून बहता हुआ, डेहरी के पास तब पड़ा हुआ था, वह देखकर वापस आ गया और अपने पिता सुखीराम बैगा को बताया था, सचिन के बताने के अनुसार उसे ऐसा लगता है कि कल दिनांक 17.07.2024 के 03 से 05 बजे की बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने किसी धारदार हथियार से उसके पिताजी के गले में चोट पहुंचाकर मार डाला है, उनकी हत्या कर दी है। उक्त रिपोर्ट पर देहाती मर्ग सूचना प्रदर्श पी-05 धारा 194 बी.एन.एस.एस. एवं देहाती नालसी प्रदर्श पी-06 अपराध क्रमांक 0/2024 धारा 103 (1) बीएनएस का कायम किया गया। मृतक गुदरसिंह परते की शव पंचनामा कार्यवाही में उपस्थित होने धारा 195 बी.एन.एस.एस. का नोटिस जारी कर गवाह व पंचान चरण लाल परते, सुखीराम मरावी, दलसिंह धुर्वे, सुक्कलसिंह धुर्वे, अर्जुन लाल यादव सभी निवासी चीमाधुंदी को तलब कर घटना के संबंध में पूछताछ कर शव पंचनामा कार्यवाही की गई, गवाहों के समक्ष घटनास्थल का निरीक्षण कर नजरी नक्शा तैयार करते हुए मृतक गुदरसिंह परते के शव के पास, घटनास्थल से खून युक्त मिट्टी, सादी मिट्टी, घटनास्थल के पास से दो नग खाली बीयर की 750 एमएल की बाटल, मृतक के पास रखा की पेड मोबाइल काले रंग का आईटेल कंपनी का, मृतक के पास रखी एक रक्त युक्त सतरंगी कथड़ी (गोदड़ी) मृतक जिस नेवर के पलंग में सोया था, उस पलंग का रक्त युक्त प्लास्टिक के नेवार के टुकड़े, मृतक जिस पलंग में सोया था, उस पलंग के सादे नेवार के टुकड़े, मृतक का एक सफेद रंग का गमछा रक्त युक्त, एक चाबी छाप माचिस को समक्ष गवाहों के मुताबिक जब्ती पत्रक के जब्त कर सीलबंद किया गया। घटनास्थल की वीडियोग्राफी की गई। मृतक गुदरसिंह परते के शव का पी. एम. सीएचसी मवई के डाक्टर से करवाया गया, थाना वापसी पर असल अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया, मृतक की पी.एम. रिपोर्ट प्राप्त की गई, जिसमें डाक्टर द्वारा धारदार मजबूत वस्तु से गले में गंभीर चोट पहुंचाने से मृत्यु होना लेख किया गया है। दौरान विवेचना मामले के प्रार्थी व गवाहों के कथन से पड़ौसी मंगलसिंह एवं मृतक गुदरसिंह के मध्य जमीन के विवाद को लेकर रंजिश होना ज्ञात होने पर संदेही मंगल सिंह यादव को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिसके द्वारा घटना दिनांक को जुर्म घटित करना स्वीकार करते हुये पूछताछ पर अपने मेमोरण्डम कथन पर बताया कि उसके घर के पास ही गुदर सिंह अगरिया का घर है, उसका और मेरा खेत आसपास है। खेत की बात को लेकर उससे उसका विवाद है, वह दारू पीकर गाली देता रहता है, दिन बुधवार तारीख 17 को वह उसकी घरवाली को गाली दे रहा था, तो उसने उसके घर के अंदर जाकर उसे अपने घर से लोहे का फरसा ले जाकर गले में करीब 05 बजे शाम को मारकर उसकी हत्या कर दिया है। अभियुक्त के विरुद्ध थाना मोतीनाला द्वारा अपराध क्र. 61/24 धारा-103(1), भा.न्या.सं. एवं धारा-3 (2) (श) अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के दण्डनीय अपराध का विचारण किए जाने हेतु अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्क से सहमत होते हुये विचारण उपरांत माननीय विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) न्यायालय जिला मण्डला द्वारा आरोपी मंगल सिंह यादव पिता विश्राम सिंह यादव उम्र 58 वर्ष निवासी चीमाघुधी थाना मोतीनाला जिला मंडला (म.प्र.) को दोषी पाते हुये उक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से अभियोजन संचालन सहायक निदेशक एस.एस. ठाकुर के द्वारा किया गया है।

आदिवासी मंगल भवन घुघरी में महिला एवं बाल विकास विभाग की अहम बैठक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के विकास खंड घुघरी स्थित आदिवासी मंगल भवन में दोपहर 3 बजे महिला एवं बाल विकास परियोजना की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में परियोजना के समस्त सेक्टरों की आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने हिस्सा लिया, जहाँ शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से परियोजना अधिकारी श्री रामकुमार झारिया ,ब्लॉक समन्वयक सुलेखा पटेल एवं सुपरवाइजर रजनी परस्ते, अरुण चोरे व हेमवती लारिया उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा उपस्थित कार्यकताओं को विभागीय कार्यों में गति लाने और शासन की मंशानुसार कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। **पोषण और हितग्राही लाभ पर केंद्रित रही चर्चा**- बैठक के दौरान निम्न बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया गया: पोषण जागरूकता: आंगनवाड़ी कार्यकताओं को निर्देशित किया गया कि वे पोषण के समस्त महत्वपूर्ण बिंदुओं को जमीनी स्तर पर प्रत्येक हितग्राही को सरल भाषा में समझाएं। * योजनाओं का क्रियान्वयन: शासन द्वारा चलाई जा रही लाड़ली लक्ष्मी, मातृ वंदना और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुँचाना सुनिश्चित करें। बेहतर प्रबंधन: आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन और डेटा एंट्री से संबंधित तकनीकी बारीकियों के बारे में भी समझाइश दी गई।

राजस्व-वन विभाग ने निरीक्षण किया, 15 पेड़ उखड़े मिले, उत्खनन भी

सड़क निर्माण के दौरान अवैध पेड़ कटाई

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला डिंडोरी रोड निर्माण के दौरान पटपरा माल गांव में राजस्व भूमि पर पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर वन विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने मौके का निरीक्षण किया। टीम ने कटे हुए पेड़ों को जब्त कर पंचनामा की कार्रवाई की। वन विभाग के अनुसार, यह क्षेत्र वन कक्ष क्रमांक 16ए से सटा हुआ है। निरीक्षण के दौरान इससे लगी राजस्व विभाग की खसरा नंबर 9/1 और 9/2 भूमि पर बड़े

झाड़ के जंगल में 14 सागौन और एक महुए का पेड़ जड़ से उखड़े हुए पाए गए। मौके पर उत्खनन भी किया गया था। चूंकि यह भूमि राजस्व विभाग की है, इसलिए वन विभाग ने आगे की कार्रवाई के लिए तहसीलदार मंडला को प्रतिवेदन भेजा है। तहसीलदार मंडला हिमांशु भलावी ने बताया कि डिंडोरी रोड निर्माण के दौरान पटपरा माल में पेड़ों की कटाई की सूचना मिली थी। तहसीलदार भलावी ने पुष्टि की कि टीम भेजकर पंचनामा और जब्ती की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और इस कृत्य में शामिल लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

21 दिसंबर तक होगा योग, मेडिटेशन और स्ट्रेस मैनेजमेंट का अभ्यास

पुलिसकर्मियों के लिए तीन दिवसीय ध्यान योग शिविर शुरू

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला पुलिस ने हार्टफुलनेस संस्था के सहयोग से तीन दिवसीय ध्यान योग शिविर का शुक्रवार को शुभारंभ किया। यह शिविर जिले के पुलिस लाइन, थाना और चौकियों में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन में सुधार करना है।

तनाव प्रबंधन और मानसिक सशक्तिकरण- शिविर में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को ध्यान योग, मेडिटेशन और स्ट्रेस मैनेजमेंट की विधियों का अभ्यास कराया जा रहा है। पुलिस में कार्य का दबाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए यह पहल की गई है ताकि अधिकारी तनावमुक्त होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की जानकारी- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा ने बताया कि पुलिसकर्मी निरंतर ड्यूटी, कानून-व्यवस्था और जनसेवा में लगे रहते हैं, जिससे मानसिक तनाव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि ध्यान योग के माध्यम से पुलिसकर्मी तनावमुक्त रहकर बेहतर सेवा प्रदान कर सकेंगे। हार्टफुलनेस संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा शिविर में ध्यान और योग की सरल तकनीकें सिखाई जा रही हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को मानसिक रूप से सशक्त बनाना और उनके कार्य प्रदर्शन को बेहतर बनाना है।

समापन और विश्व ध्यान दिवस-तीन दिवसीय इस कार्यक्रम का समापन 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर होगा। इस दिन जिले के सभी थाना और चौकियों में ध्यान योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक पुलिसकर्मी इस पहल का लाभ उठा सकेंगे।

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in